आज का विचार

बड़े अजीब से दुनिया के मेले हैं। दिखती तो भीड़ है पर चलते सब अकेले हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शुक्रवार, 20 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 69, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभवः राष्ट्रपति मुर्मु

श्री रामलला के दर्शन कर राष्ट्रपति मुर्मु ने द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना कीद्रौपदी मुर्मु ने श्रीराम जन्मभूमि की धूलि का स्पर्श करना बताया अपना परम सौभाग्य

एजेंसी (हि.स.)
अयोध्या

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में ₹श्रीराम यंत्र₹ की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने श्री रामचरितमानस की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है।

राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर 2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और रामभक्तों को नव वर्ष की आत्मिक बधाई देती हूं। नवरात्र के अंत में रामनवमी के दिन हम सब प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएंगे। मैं सभी को नवमी तिथि, मधुमास पुनीता यानी रामनवमी के दिन मनाए जाने वाले पावन पर्व की अग्रिम बधाई देती हूं।

मुर्मु ने कहा कि इस परम पवित्र स्थल पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। प्राण प्रतिष्ठा के मर्मस्पर्शी अवसर पर मैंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था। उस पत्र में मैंने यह भाव व्यक्त किया था, ॡयह हम

सभी का सौभाग्य है कि हम सब अपने राष्ट्र के पुनरुत्थान के एक नए कालचक्र के शुभारंभ के साक्षी बन रहे हैं ॡ उन्होंने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। इक्कीसवीं सदी में हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम-राज्य के वर्णन में प्राप्त होती है। गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं, नहिं दरिद्र कोउ, दुखी न दीना। नहिं कोउ अबुध, न लच्छन हीना।। यानी राम-राज्य में न कोई दुखी है, न निर्धन है, न परावलंबी है, न बुद्धिहीन है और न ही कोई संस्कारहीन है।

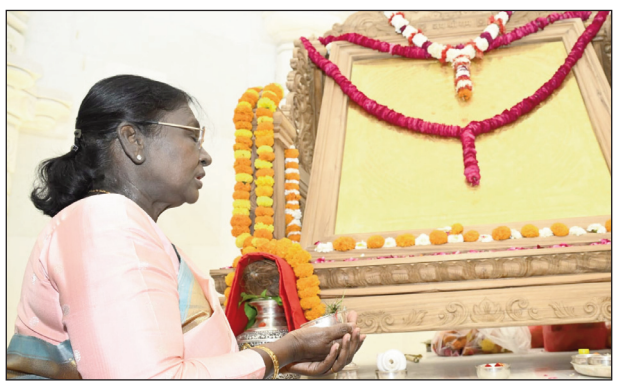

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दशक के दौरान 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की सीमा रेखा से ऊपर लाया गया है तथा ऐसे प्रयास किए गए हैं ताकि वे गरीबी से मुक्त रहें। राम-राज्य का आदर्श आर्थिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के उच्चतम मानकों को प्रस्तुत करता है। माता-शबरी से प्रभु श्रीराम का भावपूर्ण मिलन, निषाद-राज से उनका स्नेह-संबंध, युद्ध में कोल-भील-वानर आदि का सहयोग लेना, जटायु, जाम्बवन्त और गिलहरी आदि सभी को सम्मान तथा स्नेह और प्रेरणा देना, ऐसे अनेक प्रसंग एक सर्व-स्पर्शी तथा सर्व-समावेशी जीवन दर्शन को अपनाने का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। आज के संदर्भ में मुझे यह देखकर खुशी होती है कि सामाजिक समावेश तथा आर्थिक न्याय के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं की सुरक्षा के लिए भी बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लक्ष्य तय किए गए हैं और उन्हें कार्यरूप दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राम-राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का आदर्श वाक्य है- रामो विग्रहवान् धर्मः अर्थात प्रभु श्रीराम धर्म के मूर्तिमान स्वरूप हैं। धर्म के व्यापक अर्थ के आधार पर निजी और सामूहिक जीवन को संचालित करके ही हम प्रभु श्रीराम की सच्ची पूजा-अर्चना कर पाएंगे। आज साकेत यानी प्रभु श्रीराम की अयोध्या नगरी में हम सब यह संकल्प लें कि भारत माता के गौरव को विश्व समुदाय के शिखर पर ले जाएंगे। प्रभु श्रीराम की कृपा से हमारा यह संकल्प सिद्ध हो।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भैयाजी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल एवं साधु संतों के साथ देश विदेश से आए हजारों गणमान्य आदि मौजूद रहे।

देश के ऊर्जा क्षेत्र में योगदान दें वैश्विक निवेशक : मोदी

वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने उनसे भारत में निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार करने का भी आग्रह किया।

यशोभूमि में आयोजित भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा, जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी।

उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मोदी ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि शांति अधिनियम 2025 परमाणु ऊर्जा में नए अवसर खोलता है, जबकि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विकेंद्रीकृत उत्पादन एवं टिकाऊ खपत को बढ़ावा दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वितरण सुधार एवं दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली है। इससे अधिक कुशल व टिकाऊ क्षेत्र का संकेत मिलता है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर व्यापक अवसर हैं और भारत बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन भारत के विकास को गति प्रदान करने हेतु सार्थक संवाद और दीर्घकालिक साझेदारियों को उत्प्रेरित करेगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आज चार दिवसीय भारत बिजली शिखर सम्मेलन 2026 की शुरूआत हुई है, जो 22 मार्च तक चलेगी।

देश में गैस की सप्लाई सामान्यः केंद्र

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक होने के बावजूद देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई सामान्य है। सरकार ने दावा किया है कि कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और पेट्रोल पंपों पर कोई कमी नहीं है। फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं और व्यापार प्रभावित नहीं हुआ है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से बातचीत कर क्षेत्रीय शांति और भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर चर्चा की है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को रोजाना अंतर्मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते एलपीजी की स्थिति चिंताजनक है लेकिन देशभर में सभी ऑपरेशन सामान्य हैं। एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को उच्चतम प्राथमिकता दी गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति पर्याप्त है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी सुनिश्चित है।

उन्होंने कहा कि जो राज्य सरकारें पीएनजी नेटवर्क विस्तार में सहयोग करेंगी, उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी दी जाएगी। हाल के दिनों में सवा लाख घरेलू और वाणिज्यिक कनेक्शन दिए गए हैं और पिछले तीन दिनों में 5,600 से अधिक उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग 94 फीसदी तक बढ़ गई है और 83 फीसदी सिलेंडरों की डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड से की जा रही है। कल 57 लाख रिफिल बुकिंग दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि 31 राज्यों में मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं और 25 राज्यों में जिलास्तरीय कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। सभी जिलाधिकारियों और फूड एंड सप्लाई अधिकारियों को कालाबाजारी रोकने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। पूरे देश में कल करीब 600 रेड की गईं। उत्तर प्रदेश में 1,100 रेड के जरिए लगभग 1,000 सिलेंडर सीज किए गए, जिनमें 17 एफआईआर दर्ज हुईं और एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ। मध्यप्रदेश में 1,700 रेड में करीब 2,500 सिलेंडर जब्त किए गए। केंद्रीय पत्तन, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि गल्फ क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में कोई घटना नहीं घटी है। फारस की खाड़ी और होरमुज जलडमरूमध्य में सभी भारतीय जहाज सुरक्षित हैं। 611 जहाज सुरक्षित हैं और किसी घटना की सूचना नहीं है।

भारत के 16 जहाज स्वदेश वापस आए

महानिदेशालय शिपिंग जहाज मालिकों, एजेंसियों और भारतीय मिशनों के साथ समन्वय कर रहा है। पिछले 24 घंटे में कंट्रोल रूम ने लगभग 150 कॉल और 225 ईमेल के जवाब दिए हैं, जबकि 16 भारतीय जहाजों की वापसी समन्वित प्रयासों से हुई। मंत्रालय गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के बंदरगाहों और बोर्डों के साथ करीबी समन्वय में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कल कुवैत के क्राउन प्रिंस से बातचीत की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार साझा किए और हालिया घटनाक्रम पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा दोहराई और होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने को भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सतत राजनयिक संवाद को आवश्यक बताया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस का आभार व्यक्त किया और आगामी ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सीबीआई ने अनिल अंबानी से आठ घंटे तक की पूछताछ, आज भी बुलाया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अंबानी और ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से गुरुवार को पूछताछ की। जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी से आठ घंटे और डांगी से करीब सात घंटे तक कई सवाल पूछे। अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है।

सीबीआई ने बताया कि अनिल अंबानी आज जांच एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और उनसे लगभग

आठ घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें शुक्रवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित कुछ अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने की थी, जो 11 बैंकों के कंसोर्टियम की लीड बैंक है। फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2013 से 2017 के बीच समूह कंपनियों के बीच जटिल लेन-देन के जरिए बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और दुरुपयोग किया गया। इससे एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एक्सपोजर 19,694.33 करोड़ रुपये था। इस मामले में सीबीआई ने मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो आधिकारिक परिसरों और अनिल अंबानी के आवास पर तलाशी भी ली थी, जहां से कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए। इसके अलावा पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। सीबीआई ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ एक और मामला इसी साल 25 फरवरी को दर्ज किया गया है, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत शामिल है। इसी साल 5 मार्च को पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एक अन्य केस दर्ज किया गया है, जिसमें अनिल अंबानी और कंपनी की निदेशक मंजरी अशोक कक्कर को भी आरोपी बनाया गया है।

ईद-उल-फितर का चांद नजर नहीं आया, देश में 21 मार्च को मनाई जाएगी ईद

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में गुरुवार को ईद-उल-फितर का चांद नजर नहीं आया है। वैसे भी मौसम खराब होने की वजह से चांद नजर आने की संभावनाएं कम हो गई थीं। इसके साथ ही देश के अन्य राज्यों से भी कहीं से चांद निकलने की सूचना नहीं मिली है, इसलिए शाही जामा मस्जिद के इमाम शाबान बुखारी ने मरकजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक के बाद यह ऐलान किया है कि शुक्रवार, 20 मार्च को रमजान का तीसवां रोजा रखा जाएगा और शनिवार, 21 मार्च को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा।

शाबान बुखारी ने बताया कि जामा मस्जिद में मगरिब की नमाज के बाद मरकजी रुयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक हुई है, जिसमें चांद देखने की कोशिश की गई लेकिन मौसम खराब होने की वजह से चांद दिखाई नहीं पड़ा। इसके बाद देश के अन्य राज्यों से भी टेलीफोन के माध्यम से संपर्क किया गया पर कहीं से भी चांद निकलने की सूचना प्राप्त नहीं हुई है, इसलिए कमेटी ने शनिवार, 21 मार्च को ईद मनाने का फैसला लिया है।

इसी तरह शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद-उल-फितर के चांद को लेकर ऐलान

किया है। उन्होंने कहा है कि मस्जिद की रुयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में दिल्ली एनसीआर एवं अन्य राज्यों में कहीं पर भी ईद उल फित्र के चांद के निकलने की सूचना नहीं मिली है, इसलिए कमेटी ने शनिवार 21 मार्च को ईद मनाने का ऐलान किया है। इमारत-ए-शरीया हिन्द की एक बैठक हजरत मौलाना जकावत हुसैन कासमी साहब नायब अमीर-ए-शरीअत, दिल्ली प्रदेश की अध्यक्षता में इमारत-ए-शरीया हिन्द के केंद्रीय कार्यालय नई दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित मस्जिद अब्दुल नबी में आयोजित की गई, जहां ईद के चांद को लेकर के पूरे देशभर से जानकारी एकत्र की गई, लेकिन कहीं से भी चांद के निकलने की पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए इमारत-ए-शरीया हिन्द ने मुसलमानों से कल रमजान का तीसवां रोजा रखने और 21 मार्च को ईद मनाने का ऐलान किया है।

दुनिया में युद्ध चल रहे और हम कर रहे हैं रामराज्य की अनुभूतिः योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)
अयोध्या

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना पर गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में बने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलम्बी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है।

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास है।

योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है, लेकिन अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम सब लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूणार्हुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलम्बी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है। वर्तमान पीढ़ी अब दिग्भ्रमित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों और श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को भी नमन किया। मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया।

इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैयाजी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

हिमाचल प्रदेश के हर पीएचसी में छह माह में तैनात होंगे डॉक्टर: सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा, एम्स दिल्ली जैसी सुविधाओं से लैस होंगे हिमाचल के अस्पताल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को डॉक्टरों की भर्ती का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। इससे कुछ समय के लिए सदन का माहौल गरमा गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन में घोषणा की कि अगले छह महीने के भीतर राज्य का कोई भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बिना डॉक्टर के नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि सरकार अब तक 162 डॉक्टरों की भर्ती कर चुकी है और 236 डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया जारी है।

विधायक राकेश जम्वाल के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों के कुल 2337 और विशेषज्ञ डॉक्टरों के 683 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 2159 डॉक्टर और 447 विशेषज्ञ डॉक्टर वर्तमान में कार्यरत हैं। बाकी पदों को भरने के लिए प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जरूरत से ज्यादा मेडिकल कॉलेज खोल दिए गए हैं, जबकि हिमाचल जैसे राज्य में तीन से चार मेडिकल कॉलेज ही पर्याप्त होते। उन्होंने कहा कि इसी कारण हर साल पास होने वाले सभी 870 एमबीबीएस और 247 पीजी डॉक्टरों को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं हो पाता।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए पहले चरण में अगले एक साल के भीतर मेडिकल कॉलेजों के कुछ प्रमुख विभागों को मजबूत करने पर काम करेगी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग में युक्तिकरण किया जा रहा है, ताकि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए सरकार चंबा,

नाहन और हमीरपुर मेडिकल कॉलेजों में पीजी कक्षाएं शुरू करने जा रही है। इसके लिए असिस्टेंट और एसोसिएट प्रोफेसरों की भर्ती और पदोन्नति के नियमों में बदलाव किया जाएगा और पीजी सीटों को भी बढ़ाया गया है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़े वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाते। जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछली सरकार ने डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए 500 पद स्वीकृत किए थे और 300 डॉक्टरों की भर्ती भी कर ली थी, लेकिन वर्तमान सरकार शेष 200 पदों को भरने में ढाई साल का समय लगा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास बेरोजगार डॉक्टरों का सही आंकड़ा नहीं होना हैरानी की बात है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि हर साल बड़ी संख्या में डॉक्टर अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं, लेकिन फिलहाल सभी को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है। इसी दौरान विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने डॉक्टरों की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू की व्यवस्था बंद कर दी है, ताकि योग्य और सक्षम डॉक्टरों का चयन किया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले लिखित परीक्षा में पास होने के लिए 30 और 35 अंक तय थे, जिन्हें अब बढ़ाकर 40 और 45 कर दिया गया है, ताकि चयन प्रक्रिया की गुणवत्ता बेहतर हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम कर रही है। अस्पतालों के लिए नई मशीनरी खरीदने पर करीब 3 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में वही आधुनिक मशीनें खरीदी जा रही हैं, जो एम्स दिल्ली में इस्तेमाल हो रही हैं।

हिमाचल विधानसभा में 40,461 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित

2025-26 का कुल बजट आकार बढ़ा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2025-26 का बजट अब बढ़कर लगभग 98,975 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। गुरुवार को विधानसभा के बजट सत्र में 40,461.95 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पारित होने के बाद कुल बजट में बड़ा इजाफा हुआ है। इससे पहले मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बीते साल 17 मार्च 2025 को 58,514 करोड़ रुपये का मूल बजट पेश किया था।

मुख्यमंत्री ने आज सदन में यह अनुपूरक बजट पेश किया और इसके लिए हिमाचल प्रदेश विनियोग विधेयक, 2026 भी रखा, जिसे ध्वनिमत से मंजूरी मिल गई। सरकार का कहना है कि इस अतिरिक्त बजट से राज्य की चल रही योजनाओं, वेतन-भत्तों और विकास कार्यों के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अनुपूरक बजट में सबसे बड़ा हिस्सा राज्य की अपनी योजनाओं के लिए रखा गया है। करीब 36,374 करोड़ रुपये राज्य स्कीमों पर खर्च होंगे, जबकि 4,087 करोड़ रुपये केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए तय किए गए हैं। राज्य योजनाओं में भी सबसे ज्यादा 26,194 करोड़ रुपये वेतन, भत्तों और ओवरड्राफ्ट जैसी वित्तीय जरूरतों के लिए रखे गए हैं, जो सरकार के खर्च का बड़ा हिस्सा दिखाता है।

ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी सरकार ने बड़ा प्रावधान किया है। करीब 4,150 करोड़ रुपये बिजली उत्पादन बढ़ाने, ट्रांसफार्मरों की मरम्मत और बिजली बोर्ड को दी गई वित्तीय मदद को इक्विटी में बदलने के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए 818 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पहाड़ी राज्य के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

पेयजल और सीवरेज योजनाओं के लिए 785 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 657 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इस राशि से हिमकेयर और सहारा जैसी योजनाओं को जारी रखने के साथ शिमला, टांडा, हमीरपुर, नेरचौक और चमियाणा के मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा, नई लैब और उपकरणों की खरीद जैसे काम होंगे। शहरी और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। करीब 555 करोड़ रुपये से शिमला की सब्जी मंडी, हमीरपुर में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, बस अड्डा और खलीनी में फ्लाईओवर जैसे प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे। वहीं सड़कों और पुलों के निर्माण व रखरखाव के लिए 453 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

श्रीनगर में सीआईके ने साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया, सात गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ करके सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सीआईके-सीआईडी को गुप्त कॉल सेंटरों के बारे में तकनीकी इनपुट प्राप्त हुए थे, जो विदेशी और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल थे। तकनीकी विशेषज्ञों और फील्ड ऑपरेटिव्स की विशेष टीमें गठित की गईं, जिन्होंने कई स्थानों पर निगरानी और डिजिटल खुफिया जानकारी जुटाई।

उन्होंने बताया कि टीमों ने यहां रंगरेठ के औद्योगिक क्षेत्र में एक प्रमुख ऑपरेशनल हब की पहचान की। इसके बाद शहर में विभिन्न स्थानों पर समन्वित छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। 13 मोबाइल फोन, नौ लैपटॉप, वीओआईपी सिस्टम, सिम कार्ड, नेटवर्किंग उपकरण और डिजिटल स्टोरेज मीडिया सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल और संचार उपकरण जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया कि जब्त किए गए उपकरणों में कई स्मार्टफोन, लैपटॉप और एक आईपैड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आरोपितों ने वीओआईपी आधारित प्रणालियों का उपयोग करके एक अपंजीकृत कॉल सेंटर स्थापित किया था, जिसके माध्यम से वे अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर बनाते थे और सर्वर रूटिंग और स्पूफिंग तकनीकों के जरिए अपने स्थान को छिपाते थे।

हिमाचल विधानसभा परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

'माफिया राज' और अवैध पेड़ कटान के आरोप

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन राजनीतिक माहौल गरमाया रहा। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष ने विधानसभा परिसर में धरना-प्रदर्शन किया और सरकार पर वन और खनन माफिया को संरक्षण देने के आरोप लगाए।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'माफिया राज' के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष का कहना है कि राज्य में अवैध पेड़ कटान के मामले बढ़ रहे हैं और सरकार इन पर कार्रवाई करने के बजाय चुप है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र में केवल 25 पेड़ काटने की अनुमति दी गई थी, लेकिन मौके पर 300 से ज्यादा पेड़ों को काट दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि निजी भूमि पर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की अनुमति कैसे दी गई। उनका कहना है कि इस मामले में एक कांग्रेस नेता की भूमिका सामने आ रही है, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर संदेह पैदा होता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह कटान किसी व्यक्ति को लकड़ी का डिपो दिलाने के उद्देश्य से किया गया और इसके लिए नियमों की अनदेखी की गई। विपक्ष का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर अनियमितताएं बिना सरकारी संरक्षण के संभव नहीं हैं। विपक्ष ने धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र का भी जिक्र किया, जहां कथित तौर पर सैकड़ों पेड़ों की अवैध कटाई की गई। भाजपा विधायकों की एक कमेटी ने जब क्षेत्र का दौरा किया तो वहां कटे हुए पेड़ों को छिपाने की कोशिशें सामने आईं। आरोप है कि कई पेड़ों को ढांक से सतलुज नदी में फेंक दिया गया, जबकि कुछ को जेसीबी मशीनों की मदद से जमीन में दफना दिया गया। विपक्ष ने इन घटनाओं को पर्यावरण और कानून व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर खतरा बताया है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इससे जंगलों को बड़ा नुकसान हो सकता है और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

हिमाचल विधानसभा में आउटसोर्स कर्मचारियों पर गरमाया सदन, विपक्ष ने उठाए सवाल

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों का मुद्दा उठा और इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नियमितिकरण से जुड़े एक सवाल का जवाब न मिलने पर मामला और गरमा गया। भाजपा विधायक दीपराम ने कहा कि उन्होंने एक साल पहले इस विषय पर सवाल पूछा था, लेकिन अब तक उन्हें इसका जवाब नहीं मिला है। उन्होंने सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि आखिर कितने आउटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही इस संबंध में पूरी जानकारी संबंधित विधायक को उपलब्ध करवा देगी। वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के समय पहली कैबिनेट में एक लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है।

गैस सिलेंडर की कमी का असर विधानसभा तक

बजट सत्र के लिए लकड़ी के चूल्हों पर बन रहा खाना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में कमर्शियल एलपीजी की कमी का असर अब सीधे विधानसभा के बजट सत्र पर भी दिखने लगा है। हालात ऐसे हैं कि जहां आम तौर पर बड़े पैमाने पर गैस सिलेंडरों पर खाना तैयार किया जाता था, वहीं अब सत्र के दौरान सैकड़ों लोगों के लिए भोजन पारंपरिक लकड़ी के चूल्हों पर बनाया जा रहा है। यह स्थिति न सिर्फ असामान्य है बल्कि इससे व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव भी साफ दिखाई दे रहा है।

दरअसल, विधानसभा सत्र के दौरान रोजाना बड़ी संख्या में विधायकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भोजन तैयार किया जाता है। लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण रसोइयों को पुराने तरीके अपनाने पड़ रहे हैं। लकड़ी खरीदकर बड़े स्तर पर खाना बनाया जा

रहा है। इससे काम में ज्यादा समय लग रहा है और मेहनत भी बढ़ गई है। यह व्यवस्था खास तौर पर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के होटलों हॉलिडे होम और पीटरहॉफ में देखने को मिल रही है, जहां से विधानसभा के लिए भोजन तैयार होता है। रसोइयों का कहना है कि गैस की कमी के बावजूद उन्हें तय समय पर बड़ी मात्रा में खाना तैयार करना पड़ रहा है और ऐसे में लकड़ी के चूल्हे ही एकमात्र विकल्प बचा है। हालांकि इस तरीके से खाना बनाना चुनौतीपूर्ण है, फिर भी व्यवस्था को किसी तरह बनाए रखा जा रहा है। इस बीच जिला प्रशासन का कहना है कि घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, होटल और रेस्टोरेंट जैसे जरूरी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर कमर्शियल गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और इनकी आपूर्ति लगातार जारी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक भंडारण न करें, क्योंकि इससे कृत्रिम कमी पैदा हो सकती है। प्रशासन का कहना है कि तेल कंपनियों के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि जरूरी चीजों की आपूर्ति बाधित न हो। साथ ही सभी उपमंडल दंडाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों के साथ रोजाना बैठक कर हालात की समीक्षा कर रहे हैं।

पुलवामा में कथित दुर्व्यवहार के आरोप में बीडीओ निलंबित, जांच के आदेश

श्रीनगर। कश्मीर ग्रामीण विकास निदेशालय ने एक पंचायत निरीक्षक (वर्तमान में ब्लॉक विकास अधिकारी) को कथित दुर्व्यवहार के मामले में जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया है। आदेश के अनुसार लैला खालिद जो वर्तमान में नेवा में ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) का कार्यभार संभाल रही हैं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें सहायक आयुक्त पंचायत गांदरबल के कार्यालय में संलग्न किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि सहायक आयुक्त विकास पुलवामा अगले आदेश तक अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त नेवा के बीडीओ का कार्यभार संभालेंगे। इस बीच सहायक आयुक्त विकास पुलवामा को मामले की गहन जांच करने और 15 दिनों के भीतर निदेशालय को सिफारिशों सहित एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

जम्मू क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में आतंकी घटनाओं में आई उल्लेखनीय कमी

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

पहाड़ों और जंगलों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा अपनाई गई सक्रिय और नवोन्मेषी रणनीति के परिणामस्वरूप जम्मू क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि 2023-24 में पुंछ और राजौरी के सीमावर्ती जिलों और उधमपुर के ऊपरी इलाकों के साथ-साथ कठुआ के एक क्षेत्र में आतंकी हमले हुए जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। सूत्रों ने बताया कि इसी चुनौतीपूर्ण दौर में नलिन प्रभात ने जम्मू-कश्मीर के डीजीपी के रूप में कार्यभार संभाला और दुर्गम इलाकों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए आतंकवाद विरोधी अभियानों का पुनर्गठन शुरू किया। डीजीपी प्रभात ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद ही इस क्षेत्र की अनूठी भौगोलिक चुनौतियों - घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पहचान लिया। सूत्रों ने बताया कि डीजीपी ने विशेष अभियान समूह (एसओजी) के भीतर एक विशेष परिचालन ढांचा पेश किया। इस रणनीति के तहत एसओजी के भीतर दो विशिष्ट समूह बनाए गए: स्नो लेपर्ड्स और मार्खोर। स्नो लेपर्ड्स यूनिट केंद्रीय रूप से स्थित है और मुख्य रूप से बर्फ से ढके और ऊंचे पर्वतीय शिखरों और चोटियों पर अभियान चलाने के लिए तैनात है। केंद्र शासित प्रदेश में फैली मार्खोर यूनिटें विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं और उन्हें वन क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए तैनात किया गया है, ये वे क्षेत्र हैं जिनका इस्तेमाल आतंकवादी समूह लंबे समय से घुसपैठ और छिपने के लिए करते रहे हैं। परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए इन यूनिटों के चयनित कर्मियों को आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड्स भेजा गया और उन्हें विशिष्ट सेना यूनिटों के साथ जंगल युद्ध, सहनशक्ति और विशेष युद्ध तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण दिया गया।

संक्षिप्त-समाचार

उपराज्यपाल सिन्हा ने माता वैष्णो देवी के दर्शन करके शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए और सभी की शांति, समृद्धि, सुख और कल्याण के लिए प्रार्थना की। उपराज्यपाल ने अपने फेसबुक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। सभी की शांति, समृद्धि, सुख और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

जम्मू पुलिस ने स्मार्ट सिटी चोरी का मामला सुलझाया, 18 चोरी हुई बैटरियां की बरामद

जम्मू। जम्मू पुलिस, दक्षिण जोन, अपराध के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्मार्ट सिटी निगरानी उपकरणों से जुड़ी चोरी के एक मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। 28 फरवरी 2026 को एशिया चौक, बिक्रम चौक और अम्फल्ला चौक सहित प्रमुख स्थानों पर स्थित स्मार्ट सिटी सीसीटीवी उपकरणों से बैटरियां और अन्य महत्वपूर्ण उपकरण चोरी हो गए थे। इस चोरी से इन क्षेत्रों में निगरानी और यातायात निगरानी व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 और 303(2) के तहत पुलिस स्टेशन गांधी नगर, जम्मू में एफआईआर संख्या 60/2026 दर्ज की गई थी। तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन गांधी नगर के एसएचओ इंस्पेक्टर जयपाल शर्मा के नेतृत्व में एक समर्पित पुलिस टीम का गठन किया गया। तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण और मानवीय खुफिया जानकारी के संयोजन का उपयोग करते हुए टीम ने दो आरोपियों - हिमांशु गिल उर्फ ₹बड़ा प्रिंस₹ और उसके साथी प्रिंस शर्मा को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हिमांशु गिल आदतन अपराधी है और जम्मू और आसपास के जिलों के विभिन्न पुलिस थानों में उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। आरोपियों के खुलासे पर पुलिस ने 18 चोरी की बैटरियां बरामद कीं जो स्मार्ट सिटी निगरानी नेटवर्क को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सफल अभियान आधुनिक तकनीक और सक्रिय पुलिसिंग के प्रभावी एकीकरण को रेखांकित करता है। अन्य सहयोगियों की पहचान करने और शेष चोरी की संपत्ति बरामद करने के लिए आगे की जांच जारी है।

ईद-उल-फितर शुक्रवार या शनिवार को चांद दिखने के आधार पर मनाई जाने की संभावना

श्रीनगर। ईद-उल-फितर शुक्रवार या शनिवार को चांद दिखने के आधार पर मनाई जाने की संभावना है। ऐसे में श्रीनगर के बाजार खरीदारी की गतिविधियों में तेजी आने से गुलजार हो गए हैं। यह उस उत्सव के माहौल को दिखाता है जो पारंपरिक रूप से रमजान के आखिरी दिनों की पहचान है। लाल चौक के आस-पास के कमर्शियल हब से लेकर डाउनटाउन की हलचल भरी गलियों तक पिछले कुछ दिनों से खरीदार बाजारों में उमड़ रहे हैं। वे कपड़े, जूते-चप्पल, एक्सेसरीज और घर का सामान खरीद रहे हैं। अमीरा कदल पुल के पास गोनी खान के बाजार, जो महिलाओं के कपड़ों और एक्सेसरीज के लिए जाने जाते हैं वहां भारी भीड़ देखी जा रही है। खासकर महिलाएं गहने, चूड़ियां और झुमके खरीद रही हैं जबकि कई महिलाएं ईद से पहले अपने हाथों पर मेहंदी के बारीक डिजाइन भी बनवा रही हैं। व्यापारियों ने बताया कि रुक-रुककर हो रही बारिश से खरीदारों की आवाजाही पर थोड़ा असर पड़ा है, लेकिन खरीदारों का उत्साह कम नहीं हुआ है। गोनी खान बाजार के एक दुकानदार ने कहा, ₹मौसम ने कुछ समय के लिए कारोबार पर असर डाला लेकिन जैसे-जैसे ईद करीब आ रही है लोग बड़ी संख्या में बाहर निकल रहे हैं। भीड़ काफी बढ़ गई है खासकर शाम के समय। कपड़ों और जूतों के बाजारों में बिक्री जोरों पर है जहां माता-पिता अपने बच्चों के साथ त्योहार के लिए नए कपड़े खरीदने आ रहे हैं। श्रीनगर के डाउनटाउन इलाके में खासकर जामिया मस्जिद और उसके आस-पास के बाजारों में घर सजाने का सामान जैसे पर्दे, कालीन और सजावटी चीजें बेचने वाली दुकानों का कारोबार भी अच्छा चल रहा है क्योंकि लोग ईद के जश्न के लिए अपने घरों को तैयार कर रहे हैं।

पानी के बिलों के भुगतान का समय सीमा 31 मार्च तक

जम्मू। पानी के बिलों के भुगतान की समय सीमा 31 मार्च करीब आने के साथ ही जेएमसी के कमिश्नर डॉ. देवांश यादव ने बकाया राशि के भुगतान में जनता की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने और पूरे शहर में वसूली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुरूप, जल शक्ति विभाग–विशेष रूप से जेएमसी के अधिकार क्षेत्र में कार्यरत डिवीजन 1 और 2–ने एक व्यापक जागरूकता और सुविधा अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत जम्मू भर में विभिन्न स्थानों पर 12 विशेष शिविर स्थापित किए गए हैं ताकि निवासियों को पानी के शुल्क का समय पर भुगतान करने के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके और मौके पर ही भुगतान की सुविधाजनक सुविधा प्रदान की जा सके। डिवीजन 1 के तहत रूपनगर, धोंथली, रेशम घर, जानीपुर और हजूरी बाग में शिविर लगाए गए हैं। इसी तरह, डिवीजन 2 के तहत, कुंजवानी, त्रिकुटा नगर, सैनिक कॉलोनी, डिग्याना आश्रम, छन्नी हिम्मत, छन्नी रामा और ग्रेटर कैलाश में शिविर संचालित हैं। इन शिविरों में निवासियों की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है जहाँ अधिकारी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, सवालों के जवाब दे रहे हैं और बिलों का तत्काल भुगतान करने में सहायता कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य न केवल राजस्व वसूली में सुधार करना है बल्कि आवश्यक जल आपूर्ति सेवाओं के रखरखाव और निरंतरता के संबंध में नागरिकों में नागरिक जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने बताया है कि पूरे जम्मू शहर में पानी का लगभग 30 करोड़ का बकाया अभी भी लंबित है, जिसका विभाग की बुनियादी ढांचे के रखरखाव और उन्नयन की क्षमता पर काफी असर पड़ता है। जनता से अपील करते हुए, विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे इन शिविरों का लाभ उठाएं और अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए समय सीमा से काफी पहले अपने बकाया का भुगतान कर दें।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

जम्मू में फिल्म 'धुरंधर-2' की रिलीज को लेकर हुआ विवाद

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू में फिल्म 'धुरंधर-2' की रिलीज को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। फिल्म के कुछ दृश्यों पर आपत्ति जताई गई है, जिस पर जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीजीपीसी) ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कमेटी के अध्यक्ष रणजीत सिंह टोहरा की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने डिविजनल कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट, जम्मू से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिल्म में कुछ ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं जो सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। कमेटी का कहना है कि यदि इन आपत्तिजनक दृश्यों को हटाए बिना फिल्म रिलीज की गई तो इससे इलाके में तनाव बढ़ सकता है और आपसी भाईचारे पर असर पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि जब तक इन दृश्यों में बदलाव नहीं किया जाता तब तक फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगाई जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी चिंता जताई कि इस तरह के विवाद पहले भी सामने आ चुके हैं लेकिन इसके बावजूद ऐसी घटनाएं बार-बार दोहराई जा रही हैं जिससे समुदाय में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वहीं डिविजनल कमिश्नर ने पूरे मामले को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि प्रशासन इस मुद्दे पर संवेदनशीलता के साथ उचित कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके अलावा कमेटी ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर से भी इस मामले को कानूनी रूप से उठाने की मांग की है। साथ ह, सेंसर बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया में अधिक जिम्मेदारी और सतर्कता बरतने की जरूरत बताई गई है।

मौसम हिमाचल प्रदेश में कई जगह सड़कें बंद

बारिश-बर्फबारी से मार्च में दिसंबर जैसी ठंड

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम ने मार्च के महीने में दिसंबर जैसी सर्दी का अहसास करा दिया है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बीती रात कई स्थानों पर तेज आंधी भी चली। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए भारी वर्षा, बर्फबारी, ओलावृष्टि व तूफान चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

राजधानी शिमला सहित निचले इलाकों में सुबह से ठंडी हवाओं के साथ बारिश जारी है, जबकि मनाली, केलांग और लाहौल-स्पीति के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। अटल टनल और उसके आसपास के इलाकों में भी बर्फ गिरने का सिलसिला जारी है, जिसके चलते सोलंगनाला से आगे वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। मौसम के असर से कई जगहों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। चंबा जिले में लगातार बारिश और ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी के कारण पठानकोट-चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग और पांगी वाया साच पास समेत कई सड़कें बंद हो गई हैं। करीब 30 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। किन्नौर में मालिंग नाला के पास भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-5 अवरुद्ध हो गया है। बर्फबारी के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीती रात लाहौल स्पीति जिला के गोंदला में 13 सेंटीमीटर, केलांग में 12 सेंटीमीटर, कुकुमसेरी में 11.4 सेंटीमीटर, हंसा में 10 सेंटीमीटर, किन्नौर के सांगला में 1.4 सेंटीमीटर और कल्पा में 0.4 सेंटीमीटर बर्फ दर्ज की गई है। वहीं बारिश की बात करें तो मनाली में 53 मिमी, सराहन में 32.5 मिमी, सियोबाग में 32.4 मिमी, जोगिंदरनगर में 10 मिमी और धर्मशाला में 15.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। शिमला में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री की गिरावट के साथ 7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि मनाली में यह 3.1 डिग्री दर्ज किया गया। सुंदरनगर में 10.7, भुंतर में 8.5, कल्पा में 1.2, धर्मशाला में 8.2, ऊना में 11.6, नाहन में 10.0, पालमपुर में 10.0, सोलन में 9.4, कांगड़ा में 12.9, मंडी में 11.7 और बिलासपुर में 13 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल येलो अलर्ट के साथ खराब मौसम बना रहेगा। 21 और 22 मार्च को भी मौसम खराब रहेगा, लेकिन कोई अलर्ट नहीं है। 23 मार्च को फिर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 24 और 25 मार्च को भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, हालांकि इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

दो निरीक्षकों को पुनः सस्पेंड करने का मामला मुखालय भेजने के दिए निर्देश

राज्यमंत्री राजेश नागर ने खाद्य आपूर्ति विभाग के दोनों निरीक्षकों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के अनुसार कार्रवाई करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर ने महावीर कॉलोनी लाडवा निवासी सोनू नारंग की शिकायत की सुनवाई करते हुए निर्देश देते हुए कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग के सस्पेंड हुए दोनों निरीक्षकों के खिलाफ एफआईआर के अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके साथ ही दोनों निरीक्षकों को पुनः सस्पेंड करने की अनुसंशा मुखालय भेजी जाए। हरियाणा के खाद्य नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री राजेश नागर वीरवार को नई लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा और जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी भी मौजूद रहे। बैठक के एजेंडे में 15 मामलों में से 9 मामलों का सुनवाई के बाद मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि बचे हुए 6 मामलों को आगामी बैठक के लिए पेंडिंग रखा गया।

राज्यमंत्री राजेश नागर ने विष्णु कॉलोनी निवासी सोम प्रकाश की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस को निर्देश दिए कि खाते में पेमेंट देने के बावजूद मकान पर कब्जा करने वाले के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए और शिकायतकर्ता को मकान की पॉजेशन दिलवाई जाए। शिकायतकर्ता सोम प्रकाश ने शिकायत में बताया कि उससे पूरी पेमेंट लेकर रजिस्ट्री इंतकाल करवाने के बाद पॉजेशन देने के बाद दोबारा से उसके मकान पर पर कब्जा कर लिया। राज्यमंत्री राजेश नागर ने गांव झिवंरहेडी निवासी सोमी, नीलम व मनजीत की शिकायत पर केनरा बैंक के अधिकारियों को कहा कि ग्रुप लोन लेने वाली महिलाओं के लोन राशि को सेटल किया जाए। इसी तरह सेक्टर-4 निवासी उर्मिला सोढ़ी की शिकायत पर कहा कि दोनों पक्षों की सुनवाई करते हुए पारिवारिक समझौता करवाया जाए। राज्यमंत्री राजेश नागर ने हरिद्वार निवासी गुरुदेव सिंह की शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि जगह की निशानदेही करवाई जाए। इसके साथ ही कब्जा करने वालों के कागजात की जांच हो और जांच के बाद सही पाए जाने पर गुरुदेव सिंह को कब्जा दिलवाया जाए। इसी तरह राज्यमंत्री राजेश नागर ने सेक्टर-2 निवासी सरोजबाला की शिकायत के मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग को निशानदेही करने और वन विभाग को प्लाट में खड़े पेड़ काटने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल से समस्या को लेकर प्रार्थी विभाग के कार्यालय के चक्कर लगा रहा है, जिसके लिए उसको मुआवजा भी दिया।

राज्यमंत्री राजेश नागर ने गांव कैंथला निवासी जय सिंह की शिकायत पर सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि वो कैंथला सप्लाई चैनल पर ब्रिज बनाने के लिए अस्टीमेट बनाकर मंजूरी के लिए भेजा जाए। मंजूरी मिलने पर इसका निर्माण किया जाए ताकि लोगों का आना-जाना आसान हो सके। इसी तरह चनारथल बस्ती वार्ड नंबर 25 निवासी मक्खन लाल व मोहन लाल की शिकायत पर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वो सडक किनारे दुकानों के सामने ब्लॉक बनाने का अस्टीमेट तैयार करके भेजें। राज्यमंत्री राजेश नागर ने गांव फालसण्डा जाटान निवासी सिमरन की शिकायत पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को मकान का रिपेयर करवाने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री राजेश नागर ने गांव अजरानी निवासी संतोष कुमार की शिकायत पर कहा कि जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी के साथ कमेटी के दो सदस्यों को लेकर गांवों में हुए कामों की जांच की जाए। यदि काम की दूसरी एजेंसी को पेमेंट की गई तो उस पेमेंट को काम करने वाले को दिलवाया जाए। इसके साथ ही जिन पंचायतों की पेमेंट बची हुई है तो उसको भी दिलवाया जाए। इसी तरह गांव हसनपुर निवासी बलबीर सिंह की शिकायत पर कहा कि अवैध पानी के कनैक्शन को गंभीरता से लेते हुए सात दिनों में कार्रवाई करें। राज्यमंत्री राजेश नागर ने बैठक में गांव कौलापुर निवासी अमरीक सिंह, पिहोवा निवासी शुभम गुप्ता, गांव झिंझरपुर निवासी राजेंद्र कुमार, गांव खेड़ा निवासी सचिन कुमार, सुल्तान सिंह की शिकायत पर कार्रवाई की गई। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, एसडीएम अनुभव मेहता, एसडीएम अनिल दून, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, डीएमसी अमन कुमार, सीईओ जिला परिषद शंभू राठी सहित सरकारी व गैर सरकारी सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने गैर-संचारी रोगों के खिलाफ तेज किए कदमः आरती राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), जिनके हृदय संबंधी बीमारियां भी शामिल हैं, की रोकथाम और नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इन बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम को राज्य के सभी 22 जिलों में लागू किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के तहत सभी 22 जिलों में एनसीडी क्लिनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, 170 उप-मंडल जिला अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा 292 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी एनसीडी क्लिनिक संचालित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की गैर-संचारी रोगों के लिए स्क्रीनिंग की जा रही है। इस स्क्रीनिंग में मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसी बीमारियां शामिल हैं, जिससे समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल पर 31 जनवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 1,01,24,147 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 8,62,764 उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्तियों का उपचार शुरू किया गया है, जो सरकार के सक्रिय प्रयासों को दशार्ता है। आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य आवश्यक औषधि सूची के अनुसार उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए जरूरी दवाएं जिलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पंचकूला के जिला नागरिक अस्पतालों में कैथ लैब और कार्डियक सेंटर जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं स्थापित की गई हैं।

हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से 23 आईएएस अधिकारियों के तबादला एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा आदेशों के अनुसार डॉ. राजा शेखर वुंडरू को परिवहन विभाग तथा मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया गया है। जी. अनुपमा को सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग के साथ-साथ नागरिक उड्डयन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया गया है। अपूर्व कुमार सिंह को उच्चतर शिक्षा विभाग और लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) तथा वास्तुकला विभाग का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। अनुराग अग्रवाल को नगर एवं ग्राम आयोजना तथा शहरी संपदा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव लगाया है। विजयेंद्र कुमार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नियुक्तियां, कार्मिक विभाग तथासैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रस्तावित हरियाणा आय संवर्धन बोर्ड अधिकारी का ओएसडी लगाया गया है। पंकज अग्रवाल को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा खान एवं भूविज्ञान विभाग में प्रधान सचिव और हरियाणा सरस्वती हेरिटेज बोर्ड में सलाहकार नियुक्त किया गया है। दहिया को स्कूल शिक्षा विभाग के साथ-साथ पशुपालन एवं खेल विभाग का प्रधान सचिव लगाया गया है। आशिमा बराड़ को आबकारी एवं कराधान तथा वित्त विभाग के साथ-साथ ऊर्जा विभाग के आयुक्त एवं सचिव का दायित्व भी दिया गया है।

फूलचंद मीणा को मानव संसाधन विभाग, सामान्य प्रशासन के आयुक्त एवं सचिव तथा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ-साथ फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव साकेत कुमार को विकास एवं पंचायत विभाग और सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं सचिव के साथ-साथ हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक का कार्यभार भी सौंपा गया है। ए. मोना श्रीनिवास को रेजिडेंट कमिश्नर, हरियाणा भवन, नई दिल्ली तथा सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। जे. गणेशन को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, नागरिक संसाधन सूचना विभाग का आयुक्त एवं सचिव, सभी के लिए आवास विभाग का महानिदेशक एवं सचिव लगाया गया है। इसके अलावा उन्हें हरियाणा एआई विकास परियोजना और हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट और अन्य बाहरी सहयता प्राप्त परियोजनाओं का सीईओ और हरट्रॉन का प्रबंध निदेशक लगाया गया है।

अशोक कुमार मीणा को शहरी स्थानीय निकाय विभाग का आयुक्त एवं सचिव तथा विदेशी सहयोग विभाग के महानिदेशक का कार्यभार दिया गया है। मनी राम शर्मा को रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां नियुक्त किया गया है। मुकुल कुमार को निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, मिशन निदेशक, राज्य शहरी आजीविका मिशन एवं राज्य शहरी विकास प्राधिकरण तथा निदेशक, हॉस्पिटैलिटी का कार्यभार सौंपा गया है। डॉ. आदित्य दहिया को प्रबंध निदेशक, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड तथा निदेशक, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर नियुक्त किया गया है। विजय कुमार सिद्धप्पा भावीकट्टी को प्रबंध निदेशक, हैफेड तथा हरियाणा इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉर्पोरेशन, गनौर का दायित्व दिया गया है। सुशील सारवन को प्रबंध निदेशक, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा वित्त निगम का कार्यभार सौंपा गया है। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक भी लगाया गया है। नेहा सिंह को उपायुक्त, सोनीपत नियुक्त किया गया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का बन चुका है जन आंदोलनः श्रुति चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- **राज्य सरकार बेटियों के उज्जवल भविष्य और उनके सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध**
- **समाज की सोच में आए सकारात्मक परिवर्तन और सरकार की प्रभावी नीतियों का परिणाम है बढ़ता लिंगानुपात**

हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि राज्य में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम केवल एक योजना नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है। इसके माध्यम से बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने, उनके प्रति सम्मान बढ़ाने और समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने की दिशा में निरंतर सार्थक एवं परिणाममुखी प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने यह बात आज चंडीगढ़ स्थित अपने निवास स्थान पर आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कही, जो जन्म के समय लिंगानुपात में उत्कृष्ट सुधार करने वाले जिलों के सम्मान में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में जहां जन्म के समय लिंगानुपात 871 था, वहीं वर्ष 2025 में यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया है। यह बदलाव समाज की सोच में आए सकारात्मक परिवर्तन और सरकार की प्रभावी नीतियों का परिणाम है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि इस सुधार के पीछे कई महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनमें पीसीपीएनडीटी अधिनियम का सख्ती से पालन, अवैध लिंग चयन पर रोक और एमटीपी के दुरूपयोग के विरूद्ध लक्षित कार्रवाई, गर्भावस्था की रिवर्स ट्रैकिंग जैसी नवाचार पहल और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद में 43, पानीपत में 83 और पंचकूला में 24 छापे मारकर अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। श्रीमती श्रुति चौधरी ने बताया कि वर्ष 2025 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में पंचकूला (971), फतेहाबाद (961) और पानीपत (951) शामिल हैं। इन जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान केवल उपलब्धियों की सराहना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और समानता की भावना को और मजबूत करने का संदेश भी है। राज्य सरकार बेटियों के उज्जवल भविष्य और उनके सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 871 से 923 तक का यह सुधार बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन और हरियाणा की सामूहिक जागरूकता का प्रतीक है।

विधि ज्ञान के साथ नेतृत्व क्षमता भी जरूरीः प्रो. देवेंद्र सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में विधि गाला लॉ फेस्ट का समापन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर (डॉ) देवेंद्र सिंह (कुलपति, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदरजीत मेहता (मेंबर, स्टेट लॉ कमिशन हरियाणा) एवं लेफ्टिनेंट वीरेंद्र पॉल (कुलसचिव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ) देवेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को न केवल विधि ज्ञान में प्रखर बनाते हैं, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का भी विकास करते हैं। विशिष्ट अतिथि इंदरजीत मेहता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विधि के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव और नैतिक मूल्यों का समन्वय ही एक सफल विधि विशेषज्ञ की पहचान है। लेफ्टिनेंट वीरेंद्र पॉल ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के रचनात्मक आयोजनों को प्रोत्साहित करता रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अमित लूदरी के स्वागत भाषण से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का स्वागत करते हुए इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। विधि संस्थान के उपनिदेशक डॉ. रमेश कुमार सिरोही ने संस्थान के 25 वर्षों के गरिमामय और सफल सफर के बारे में बताया। समापन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इनमें कविता पाठ (दास्तान ए अल्फाज), गायन (जुनून ए सुर), नृत्य (थिरकन) तथा फैशन शो (सिने ग्लैम) जैसी आकर्षक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इसके पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त-समाचार

नशे से मुक्ति - दूध से शक्ति, स्वस्थ युवा ही राष्ट्र की भक्ति

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में भारतीय नववर्ष के प्रथम दिन गुरुवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भारत रत्न श्री गुलजारी लाल नंदा केंद्र द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समाज से नशे को जड़ से समाप्त करने का आह्वान करते हुए युवाओं को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। नशे से मुक्ति - दूध से शक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही भारत की गौरवशाली संस्कृति और भारतीय नववर्ष के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। नंदा केंद्र की प्रभारी प्रो. शुचिस्मिता ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में तेजी से बढ़ रहे नशे के प्रचलन को रोकने के लिए व्यापक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के जीवन को बर्बाद कर रहा है और इसके कारण चोरी, अपराध व तस्करी जैसी गतिविधियों में वृद्धि हो रही है, जिससे दूर रहना ही समाज के हित में है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने भारतीय संस्कृति की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विश्व गुरु रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे के दुष्प्रभावों को समझते हुए इसे समाज से समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के उपनिरीक्षक डॉ. अशोक वर्मा ने कहा कि युवा अक्सर शौक के रूप में नशा शुरू करते हैं, लेकिन यही आदत धीरे-धीरे उनके जीवन के लिए घातक बन जाती है। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य अशोक रोशा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। वहीं महादेव गोशाला के प्रधान सतीश शर्मा ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए गोशाला की ओर से दूध वितरित किया। कार्यक्रम में डॉ. कुलदीप आर्य ने कहा कि केंद्र द्वारा समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस अभियान का आयोजन किया गया है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा कम्युनिटी लायजनिंग ग्रुपः नीतीश अग्रवाल

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार पुलिस महानिदेशक के मार्ग-दर्शन में पुलिस विभाग द्वारा बनाया गया कम्युनिटी लायजनिंग ग्रुप यानि सीएलजी विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसमें शामिल सदस्य आमजन के आपसी विवाद सुलझाते हैं जिससे इन मामलों को बिना किसी मुकदमे के निपटाया जा सके। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि पुलिस विभाग में आई शिकायतों का निपटान निष्पक्ष और तत्परता के आधार पर किया जाता है। जिनमें ज्यादातर शिकायतकर्ता सन्तुष्ट हो जाते हैं लेकिन कुछ शिकायतकर्ता पुलिस द्वारा की गई कारवाई से सन्तुष्ट नहीं होते। शिकायतों के निपटान के बाद सभी शिकायतों का फीडबैक लिया जाता है। फीडबैक के आधार पर यदि शिकायतकर्ता सन्तुष्ट नहीं होता है तो उस शिकायत को सीएलजी टीम के पास भेजा जाता है। सीएलजी टीम शिकायतकर्ता के घर जाकर उनकी शिकायत का निवारण करते हैं। इस प्रकार की कारवाई से ज्यादातर शिकायतकर्ता सन्तुष्ट पाए जाते हैं। सीएलजी के माध्यम से शिकायतें निपटानें में पुलिस का समय भी बचता है। इस तरह से इस समाधान केंद्र की मदद से जहां जनता का विश्वास पुलिस विभाग के प्रति बढ़ रहा है वहीं माननीय अदालतों का काम भी कम हो रहा है। जिससे पुलिस विभाग के सेवानिवृत कर्मचारियों की कार्य क्षमता व दक्षता का सदुपयोग हो रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सीएलजी वैकल्पिक समाधान केंद्र की तरह काम करता है। जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कुरुक्षेत्र पुलिस का सीएलजी ग्रुप हर रोज ओसतन 6 शिकायतों का निपटारा कर रहा है। खास बात यह कि इनमे से ज्यादातर शिकायतकर्ता सन्तुष्ट पाए गये हैं।

चंडीगढ़ में योग आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

चंडीगढ़। हरियाणा योग आयोग के सहयोग से गवर्नमेंट रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट फॉर इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज चंडीगढ़ में ह्ययोग द्वारा सशक्तिकरणः बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के जीवन को सुदृढ़ बनानाह्व विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आज भव्य शुभारंभ हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में देशभर से विशेषज्ञों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों और नीति-निमार्ताओं ने भाग लिया और बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर डॉ. रवनीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि डॉ. सुषमा नैन (उप निदेशक, आयुष विभाग, हरियाणा सरकार) विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इसके अलावा, हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य, डॉ. अजीत सिदाना, डॉ. एम. करुप्पासामी, श्री अनिल कुमार, डॉ. रीना जैन, डॉ. राज कुमार, प्रो. डॉ. सी. वी. जयन्ती और डॉ. पवन कुमार गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अजीत सिदाना के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों और बौद्धिक दिव्यांगता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग, पुनर्वास और आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताया। हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि योग केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी मजबूत करता है। उन्होंने विशेष रूप से बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए योग को एक प्रभावी सहायक माध्यम बताते हुए कहा कि इससे उनके आत्मविश्वास, कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्रों में विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। डॉ. मुक्ता कुमार ने बताया कि बौद्धिक एवं विकासात्मक समस्याओं की पहचान जीवन के शुरूआती तीन वर्षों में ही संभव है और समय पर हस्तक्षेप से बच्चों की क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। वहीं, डॉ. रविंदर कौर और डॉ. ज्योति भोलेश्वर मिश्रा ने योग के माध्यम से व्यवहार प्रबंधन, भावनात्मक स्थिरता और एकाग्रता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। प्रो. डॉ. सी. वी. जयन्ती ने सुझाव दिया कि योगासन को स्पेशल ओलंपिक्स जैसे मंचों पर खेल के रूप में बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे विशेष बच्चों की भागीदारी और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा योगासन प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने समावेश और आत्मविश्वास का संदेश दिया। इसके साथ ही विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श और शोध प्रस्तुतियों का भी आयोजन हुआ। सम्मेलन में प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप, योग एवं पुनर्वास के समन्वय, वैज्ञानिक योग मॉड्यूल के विकास, समावेशी शिक्षा और विभिन्न विभागों के बीच तालमेल जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया।

पीएम-आरकेवीवाईः हरियाणा के लिए 1122 करोड़ की कृषि कार्ययोजना स्वीकृत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के अंतर्गत हरियाणा राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 1122 करोड़ रुपये की व्यापक वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी दी है। यह निर्णय आज यहां मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता हुई बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान वर्तमान में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। इस कार्ययोजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, सिंचाई दक्षता में सुधार करना तथा राज्य में कृषि अवसंरचना को मजबूत करना है। श्री अनुराग रस्तोगी ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निधियों के समयबद्ध उपयोग और विभिन्न विभागों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया ताकि इन योजनाओं का लाभ किसानों तक जमीनी स्तर पर पहुंच सके। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषोन्नति योजना तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के क्रियान्वयन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान केन्द्र सरकार ने पीएम-आरकेवीवाई के विभिन्न घटकों के तहत हरियाणा के लिए 318.17 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की थी, जिसमें से 240.46 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया जा चुका है। यह उपयोग दर 75 प्रतिशत से अधिक है। बैठक में यह भी बताया गया कि वर्ष 2026-27 के लिए केन्द्र सरकार ने हरियाणा के लिए पीएम-आरकेवीवाई के तहत 545.53 करोड़ रुपये की केंद्रीय हिस्सेदारी निर्धारित की है, जबकि राज्य सरकार 363.69 करोड़ का योगदान देगी। इस प्रकार कुल आवंटन 909.22 करोड़ होगा। राज्य में कृषि मशीनीकरण और फसल अवशेष प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए बजट का बड़ा हिस्सा इन क्षेत्रों के लिए निर्धारित किया गया है।

हरियाणा मेट्रो ने पकड़ी रफ्तार, यात्री संख्या में 13.55 फीसदी वृद्धि

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शहरी परिवहन नेटवर्क ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2025-26 में मेट्रो यात्रियों की संख्या में 13.55 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सार्वजनिक परिवहन की तरफ यात्रियों के बढ़ते विश्वास और स्पष्ट रुझान को दशार्ती है। यह उपलब्धि आज यहां मुख्य सचिव एवं एचएमआरटीसी के अध्यक्ष श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एचएमआरटीसी) बोर्ड की 64वीं बैठक के दौरान सामने आई।

अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच मेट्रो नेटवर्क का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या 1.74 करोड़ से अधिक रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 1.53 करोड़ था। जुलाई माह में सर्वाधिक 22.93 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी महीनों में भी सकारात्मक वृद्धि रही। यह परिचालन की विश्वसनीयता, सेवाओं में सुधार और यात्रियों की बढ़ती प्राथमिकता को दशार्ता है। वित्तीय दृष्टि से भी एचएमआरटीसी का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। जनवरी 2026 तक किराया राजस्व में 12.64 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, गैर-किराया राजस्व में 108 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि स्टेशन परिसरों के बेहतर उपयोग, विज्ञापन और व्यावसायिक गतिविधियों से प्राप्त आय के कारण संभव हुई है। स्टेशनों के नामकरण अधिकारों की नीलामी तथा अतिरिक्त विज्ञापन स्थलों के विकास जैसी पहलों से एचएमआरटीसी की वित्तीय स्थिति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि यात्रियों की संख्या और राजस्व में लगातार वृद्धि हरियाणा की समेकित परिवहन रणनीति की सफलता को दशार्ती है। उन्होंने परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय तथा यात्रियों को केंद्र में रखकर सेवाएं प्रदान करने पर निरंतर ध्यान देने के निर्देश दिए। एचएमआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री चंद्र शेखर खरे ने बताया कि परिचालन उपलब्धियों के साथ-साथ राज्य में मेट्रो एवं क्षेत्रीय परिवहन परियोजनाओं पर भी निरंतर प्रगति हो रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-56 से पंचगांव तक मेट्रो कनेक्टिविटी पर तत्परता से विचार किया जा रहा है। इस संबंध में एचएसआईआईडीसी द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) एवं लेआउट प्लान का अध्ययन किया जा रहा है तथा सिही गांव के निकट सेक्टर-36ए में डिपो के लिए स्थान को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं बल्लभगढ़-पलवल मेट्रो विस्तार परियोजना की टेक्नो-फिजिबिलिटी का आकलन राइट्स द्वारा किया जा रहा है। बहादुरगढ़-आसौधा कनेक्टिविटी के लिए भी एक नया अध्ययन किया जा रहा है, क्योंकि एचआरआईडीसी द्वारा आसौधा में नया इंटरचेंज स्टेशन विकसित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो सके। गुरुग्राम-फरीदाबाद नमो भारत कॉरिडोर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य सरकार द्वारा इसकी अलाइनमेंट और स्टेशनों के स्थानों को अंतिम रूप देकर अनुमोदित किया जा चुका है तथा एनसीआरटीसी द्वारा डीपीआर तैयार की जा रही है। दिल्ली-कुंडली मेट्रो विस्तार परियोजना को स्वीकृति के लिए हरियाणा मंत्रिमंडल की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है। दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस कॉरिडोर (136.3 किलोमीटर) पर भी प्रगति हुई है। इसकी संशोधित डीपीआर को वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया है, जिसके बाद इसे हरियाणा मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त, दिल्ली-बावल आरआरटीएस कॉरिडोर को पीआईबी स्तर पर स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और यह केन्द्र सरकार के विचाराधीन है। गुरुग्राम शहर के भीतर भी प्रमुख आंतरिक मेट्रो कॉरिडोरों के लिए डीपीआर तैयार करने को मंजूरी दी गई है। इनमें 17.09 किलोमीटर लंबा भोंडसी-सुभाष चैक-राजीव चैक-सोहना चैक-रेलवे स्टेशन कॉरिडोर शामिल है, जिससे सोहना रोड क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी।

संपादकीय

खाड़ी में जंग का असर: 114 डॉलर पार तेल, गैस 35% महंगी—दुनिया पर मंडराया बड़ा संकट

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा बाजारों की संवेदनशीलता को उजागर कर दिया है। हालिया घटनाक्रम में ईरान द्वारा खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जबरदस्त हलचल देखने को मिली है। कच्चे तेल की कीमतें 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि प्राकृतिक गैस की कीमतों में करीब 35 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है। यह केवल बाजार की सामान्य प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस व्यापक अनिश्चितता का संकेत है जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र रहा है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान जैसे देश वैश्विक तेल और गैस निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी तरह का सैन्य तनाव सीधे तौर पर वैश्विक बाजारों को प्रभावित करता है। हाल के हमलों के बाद कई महत्वपूर्ण ऊर्जा प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं, जिससे आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। यही कारण है कि निवेशकों और ट्रेडर्स के बीच घबराहट का माहौल बन गया और उन्होंने बड़ी मात्रा में तेल और गैस की खरीद शुरू कर दी, जिससे कीमतों में तेज उछाल आया। इस संकट का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार मार्गों पर देखने को मिल रहा है, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पर। यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा वहन करता है और यहां किसी भी तरह की बाधा पूरी दुनिया के लिए संकट पैदा कर सकती है। वर्तमान परिस्थितियों में कई शिपिंग कंपनियां इस मार्ग से गुजरने में हिचकिचा रही हैं, जबकि कुछ ने वैकल्पिक रास्तों की तलाश शुरू कर दी है। इससे परिवहन लागत बढ़ रही है और ऊर्जा आपूर्ति की समयसीमा प्रभावित हो रही है। यदि यह स्थिति और बिगड़ती है, तो तेल की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। ऊर्जा कीमतों में यह तेजी केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका असर आम लोगों तक भी पहुंचता है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से पेट्रोल और डीजल महंगे होते हैं, जिससे परिवहन लागत बढ़ती है। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ने लगती है। प्राकृतिक गैस की कीमतों में उछाल से बिजली उत्पादन की लागत भी बढ़ती है, जिससे बिजली दरों में वृद्धि की संभावना बनती है। इस तरह ऊर्जा संकट धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है। भारत लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है, जिसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी काफी अधिक है। ऐसे में कीमतों में अचानक वृद्धि से देश का आयात बिल बढ़ जाता है, जिससे चालू खाता घाटा बढ़ने का खतरा पैदा होता है। इसके अलावा सरकार पर ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने का दबाव भी बढ़ता है, जिससे राजकोषीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। उद्योगों के लिए उत्पादन लागत बढ़ने से आर्थिक विकास की गति भी धीमी पड़ सकती है। वैश्विक स्तर पर भी इस संकट के दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। ऊर्जा कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी से कई देशों में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है, जिससे केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इससे निवेश और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं और आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आ सकती है। शेयर बाजारों में भी इस तरह की अनिश्चितता का नकारात्मक असर देखने को मिलता है, जहां निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। यह संकट एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि क्या दुनिया ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर है। लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन अब तक इनका उपयोग पूरी तरह पारंपरिक ईंधनों की जगह नहीं ले पाया है। इस तरह के संकट यह संकेत देते हैं कि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देशों को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी होगी और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना होगा। आने वाले समय में स्थिति किस दिशा में जाएगी, यह काफी हद तक कूटनीतिक प्रयासों पर निर्भर करेगा। यदि संबंधित देश तनाव कम करने में सफल होते हैं, तो ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लौट सकती है और कीमतों में कुछ कमी आ सकती है। लेकिन यदि संघर्ष बढ़ता है, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है, जिससे तेल और गैस की कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव और बढ़ेगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि खाड़ी क्षेत्र में बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। ऊर्जा बाजारों में आई उथल-पुथल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया की आर्थिक स्थिरता अभी भी ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर है। इस संकट ने एक बार फिर यह आवश्यकता रेखांकित की है कि ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए और वैकल्पिक स्रोतों के विकास पर गंभीरता से काम किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के झटकों से बचा जा सके।

संघ और रॉ पर प्रतिबंध की मांग: भारत विरोधी डीप स्टेट की नई साजिश

मृत्युंजय दीक्षित (हि.स)

युद्ध के वैश्विक वातावरण के बीच अमेरिका में भारत विरोधी डीप स्टेट गतिविधियां भी चल रही हैं। विभिन्न अवरोधों व वैश्विक उथल-पुथल के बाद भी भारत तीव्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व भर के निवेशकों की दृष्टि भारत पर है और यह बात भारत विरोधी शक्तियों को पसंद नहीं आ रही है। अमेरिका के अंतररष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी प्रशासन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी आयोग की यह रिपोर्ट भारत के खिलाफ गहरी सुनियोजित साजिश के अंतर्गत तैयार की गई रिपोर्ट है जो भारत की सम्प्रुभता पर तीखा परोक्ष हमला है। भारत के मुख्य विरोधी दल कांग्रेस ने अपनी परंपरा के अनुरूप विदेशी आयोग की इस भारत विरोधी मांग का समर्थन किया है।

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संघ और रॉ के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए ट्रम्प प्रशासन से इन दोनों पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। आयोग का कहना है कि संघ लोगों की धार्मिक आजादी के लिए खतरनाक है। ये धर्म के आधर पर भेदभाव बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आयोग की रिपोर्ट में संघ पर तुरंत प्रतिबंध लगाने, संपत्ति को जब्त करने और संघ के लोगों के अमेरिका में प्रवेश को प्रतिबंधित करने की मांग की गई है। कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट से आगे जाकर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने संघ को भारत में प्रतिबंधित किया। संघ मनुस्मृति से देश को चलाने की वकालत करता है, संघ संविधान विरोधी है, देश की एकता और भाईचारे के लिए जहर है।

अमेरिका का धार्मिक स्वतंत्रता आयोग वर्ष 1998 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा बनाया गया एक स्वतंत्र आयोग है। यह विश्व भर में धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करता है और अमेरिकी सरकार को केवल सुझाव देता है। अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट और कांग्रेस द्वारा उनका समर्थन करने पर किसी भी राष्ट्रभक्त नागरिक को हैरानी नहीं हुई है क्योंकि कांग्रेस पार्टी लम्बे समय से भारत विरोधी टूल किट क्रियान्वित कर रही है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व गुलामी की मानसिकता से ग्रस्त है। कांग्रेस का दिल पाकिस्तान के लिए ही धड़कता है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कुख्यात आतंकी संगठन से कर चुकी है। कांग्रेस को पता होना चाहिए कि जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हर विपरीत परिस्थिति में राष्ट्र व समाज की सेवा करता रहा है वैसे ही भारत की खुफिया एजेंसी रॉ भारत की सेवा करते हुए भारत को अनेकानेक आंतरिक और वाह्य खतरों से बचाती है।

आश्चर्य की बात है कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं का निर्मम नरसंहार हो रहा था, हिंदू महिलाओं पर बर्बर अत्याचार, बलात्कार व हत्याएं हो रही थीं, 700 से अधिक मंदिरों का विध्वंस कर दिया गया तब इस तथाकथित धार्मिक आयोग की घिग्घी बंध गई थी। तब भारत व संपूर्ण विश्व में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए किसी ने आवाज उठाई थी तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या उससे जुड़े समवैचारिक संगठन ही थे। आज पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान के हिंदू ह्लगायबह्ल हो चुके हैं अर्थात अल्पसंख्यक से भी बहुत कम हो गए हैं, यह आयोग इन देशों में हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों के लिए क्यों नहीं बोलता?

भारत ने अमेरिकी धार्मिक अयोग की रिपोर्ट सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, अमेरिकी आयोग के लिए यह बेहतर होगा कि वह अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ और हमलों की परेशान करने वाली घटनाओं, भारत को निशाना बनाने, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के प्रति बढ़ती असिहष्णुता और उन्हें डराने-धमकाने के मामलों पर विचार करे। अमेरिकी आयोग पूर्वाग्रह से ग्रसित है और यह उसका एक सुनियोजित एजेंडा है। अमेरिका तथा वहां के तथाकथित आयोग को यह बात अच्छी तरह से पता होनी चाहिए कि भारत की 140 करोड़ से अधिक की आबादी में हर धर्म के अनुयायी रहते हैं। भारत सह अस्तित्व मे भरोसा करता है। भारत में कांग्रेस व वामपंथी दलों की राजनीतिक दुकान विदेशी आयोगों की झूठ पर आधारित रिपोर्टों के सहारे ही चलती है। राहुल गांधी ऐसे नेता प्रतिपक्ष हैं जो विदेशों में जाकर भारत के संविधान, संसद व न्यायपालिका तक की आलोचना करते हैं। भारत जब पाकिस्तान पर स्ट्राइक करता है तो वे सेना व सरकार से सबूत मांगने निकल पड़ते हैं। आज वो एक विदेशी आयोग की झूठी रिपोर्ट के समर्थन में खड़े हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी कांग्रेस ने संसद में सरकार का साथ नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट का समर्थन कर अपनी मंशा को स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत को कमजोर करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एकमात्र संगठन है जो विश्व भर में हिन्दुओं के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर आवाज उठाता है। संघ ही है जो हिंदू समाज की सेवा कर रहा है। आज मजहबी ताकतें धन-बल और पशु-बल द्वारा भारी संख्या में हिन्दुओं का मतांतरण करा रही हैं अगर उसकी कोई रोकथाम कर रहा है तो वह संघ ही है। यही कारण है कि संघ पर प्रतिबंध की मांग फिर से उठाई गई है। संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ ने करोड़ों घरों में संपर्क किया और एक नई हिन्दू चेतना का संचार हुआ। भारी संख्या में जेन-जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व समवैचारिक संगठनों के साथ जुड़ रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस के साथ लोग जुड़ नहीं रहे अपितु दूर भाग रहे हैं। संभवतः संघ से ईर्ष्या के वशीभूत होकर भी कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की भारत विरोधी रिपोर्ट का समर्थन किया हो।

अमेरिकी आयोग को संघ व भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के विषय में अनर्गल टिप्पणियां करने से पूर्व अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में भारत विरोधी व पाक परस्त लोगों का प्रभुत्व है, राहुल गांधी इनकी प्रोपेगंडा मशीनरी का हिस्सा बन गए हैं। भारत के विपक्षी दलों को समझना चाहिए कि वे सरकार के प्रतिपक्षी हैं न कि भारत देश के।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

डिजिटल भागदौड़ में मन थका, आयुर्वेद दिखा रहा संतुलन का रास्ता

सतीश गंधर्व

भारतीय संस्कृति में खुशी केवल एक भावना नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। स्वस्थ्य रहें, खुश रहें और जीवन को संतुलित तरीके से जीएं, यही आयुर्वेद का मूल मंत्र है, यानी आयुर्वेद में खुशियों की राह छिपी है। आयुर्वेद सिखाता है कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन बनाकर ही जीवन में खुशी हासिल की जा सकती है। इसलिए जरूरी है कि भागदौड़ और डिजिटिलाइजेशन दुनिया की व्यवस्तता से थोड़ा समय अपने लिए जरूर निकालें और अपने स्वास्थ्य तथा मानिसक शांति को महत्ता दें।

आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला आयुर्वेद के माध्यम से निरोग जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। योग-ध्यान, आहार-व्यवहार और आयुर्वेद उपचार रोगियों को तनाव, अनिद्रा, अवसाद तथा थकान से मुक्ति दिलाने में असरकारक साबित हो रहा है, क्योंकि जीवन का असली उद्देश्य केवल सफलता या संपत्ति नहीं, बल्कि संतुलित और खुशहाल जीवन है।

डिजिटल क्रांति से हमारा जीवन आसान हो गया है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने हमें दुनिया के हर कोने से जोड़ दिया है। एक क्लिक पर हम अपने विचार, भावनाएं और अनुभव साझा कर सकते हैं। लेकिन इसी सुविधा के साथ एक चुनौती भी जुड़ी है क्या यह डिजिटल जुड़ाव हमें सच में खुश कर रहा है, या हम केवल आभासी संतुष्टि के जाल में उलझते जा रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की असली दौड़ खुश रहने की है। वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम डिजिटल प्रौद्योगिकी और भावनात्मक कल्याण के बीच जटिल संबंधों पर केंद्रित है। यह विषय बेहद प्रासंगिक है, क्योंकि आज का मनुष्य वास्तविक दुनिया से अधिक डिजिटल दुनिया में सक्रिय हो चुका है।

डिजिटल दुनिया में 'वर्चुअल कनेक्शन' तो बढ़ रहे हैं, लेकिन 'रियल कनेक्शन' कमजोर पड़ते जा रहे हैं। परिवार के बीच बैठकर भी लोग अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। बातचीत की जगह चैट ने ले ली है और भावनाओं की जगह इमोजी ने। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम तकनीक का उपयोग संतुलित और सजग तरीके से करें। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़ भरी जीवनशैली, सामाजिक दबाव और डिजिटल जीवन ने इंसान को भीतर से अकेला और असंतुष्ट बना दिया है। ऐसे समय में भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, योग एवं ध्यान जीवन में खुशहाली लाने में कारगर साबित हो रही है, क्योंकि खुशी केवल एक भावनात्मक अनुभव नहीं है, बल्कि इसका हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। खुश रहने वाले लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक मजबूत होती है और वे मानसिक रूप से भी अधिक संतुलित रहते हैं।

खुशी का सीधा संबंध हमारे सामाजिक संबंधों से भी है। जो लोग परिवार, मित्रों और समाज के साथ सकारात्मक संबंध बनाए रखते हैं, वे अधिक संतुष्ट और खुश रहते हैं। इसलिए जीवन में केवल सफलता ही नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों का होना भी महत्वपूर्ण माना जाता है। जब व्यक्ति खुश होता है तो शरीर में एंडोर्फिन, सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे सकारात्मक हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं, जो तनाव को कम करते हैं और मन को शांत रखते हैं। इसके विपरीत लगातार तनाव और नकारात्मक सोच शरीर में कई बीमारियों को जन्म देती है, जिनमें उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, अवसाद और हृदय रोग शामिल हैं। आयुर्वेद में स्वास्थ्य को केवल शारीरिक अवस्था नहीं माना गया है, बल्कि इसे शरीर, मन और आत्मा के संतुलन की स्थिति कहा गया है। आयुर्वेद के अनुसार जब शरीर के तीन दोष वात, पित्त और कफ के साथ-साथ मन को भी संतुलित एवं प्रसन्न रखना आवश्यक है।

आयुर्वेद में मानसिक संतुलन को महत्वपूर्ण माना गया है। इसमें बताया गया है कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, ध्यान और सकारात्मक विचारों से व्यक्ति मानसिक शांति प्राप्त कर सकता है। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि यदि व्यक्ति प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन जीता है, तो उसका शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। सूर्योदय के समय उठना, स्वच्छ आहार लेना, नियमित व्यायाम करना और पर्याप्त नींद लेना ऐसी आदतें हैं जो शरीर के साथ-साथ मन को भी प्रसन्न रखती हैं।

आयुर्वेद में दिनचर्या और ऋतुचर्या का विशेष महत्व बताया गया है। यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को प्रकृति के अनुसार ढाल ले तो वह कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकता है। सुबह जल्दी उठना, योग और प्राणायाम करना, पौष्टिक भोजन करना और समय पर सोना आयुर्वेदिक जीवनशैली के महत्वपूर्ण तत्व हैं। इससे शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और मन शांत रहता है। आयुर्वेद में भोजन को औषधि के समान माना गया है। ताजे फल, हरी सब्जियां, अनाज, घी, दूध और औषधीय जड़ी-बूटियां शरीर को मजबूत बनाती हैं और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। इसके साथ ही पर्याप्त नींद लेना, डिजिटल उपकरणों का सीमित उपयोग करना और प्रकृति के संपर्क में रहना भी खुशहाल जीवन के लिए जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस-2026 की थीम हमें यही सिखाती है कि तकनीक को खुशी का साधन बनाना है, न कि बोझ। सबसे पहले, सोशल मीडिया के उपयोग की सीमा तय करना जरूरी है। 'डिजिटल डिटॉक्स' यानी कुछ समय के लिए तकनीक से दूरी बनाना मानसिक शांति के लिए बेहद लाभकारी हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यस्थल पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव महसूस होगा। पिछले दिनों की तुलना में चुनौतियाँ अधिक रहेंगी, इसलिए धैर्य बनाए रखें। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और आय के नए अवसर सामने आ सकते हैं। कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करने का विचार सफल हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे ऊर्जा बनी रहेगी। निर्णय लेते समय जल्दबाजी से बचें और धैर्य के साथ आगे बढ़ें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज आप अपने कार्यों को कुशलता से पूरा करेंगे और इससे आपकी छवि मजबूत होगी। वैवाहिक जीवन में खुशी और सामंजस्य बना रहेगा। दिन काफी व्यस्त रह सकता है, खासकर घरेलू और निर्माण कार्यों को लेकर खर्च बढ़ेगा। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: पारिवारिक संपत्ति को लेकर मतभेद उभर सकते हैं, इसलिए संयम से काम लें। कार्यस्थल पर जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, जिससे व्यस्तता बनी रहेगी। आध्यात्मिक विचारों की ओर झुकाव बढ़ेगा, जो मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज व्यापार में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन आपको सतर्क रहने की जरूरत है। आपकी सरलता का कुछ लोग फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों को लेकर चिंता बनी रह सकती है। सामाजिक या वैवाहिक कार्यक्रमों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: अविवाहित लोगों के लिए विवाह से जुड़े प्रस्ताव आ सकते हैं। मित्रों के साथ घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है। बच्चों का व्यवहार संतोषजनक रहेगा और आपके सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। गलत संगत से दूरी बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आज कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी और प्रभाव बढ़ेगा। नया वाहन खरीदने का विचार साकार हो सकता है। गुस्से और आवेग पर नियंत्रण रखना जरूरी है। किसी उपलब्धि या पुरस्कार की प्राप्ति संभव है। उधार दिया गया धन वापस मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए खानपान पर ध्यान दें। विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है, इसलिए अनुशासन जरूरी है। प्रेम संबंधों में संवाद की कमी तनाव बढ़ा सकती है। जल्दबाजी में आर्थिक नुकसान हो सकता है, इसलिए सोच-समझकर निर्णय लें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखना जरूरी है, अन्यथा आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। योजनाएं किसी कारणवश अटक सकती हैं, जिससे मन खिन्न रहेगा। पारिवारिक वातावरण थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। दांपत्य जीवन में मतभेद की स्थिति बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: आज विरोधी कमजोर पड़ेंगे और आप अपने कार्यों में सफलता हासिल करेंगे। कार्यस्थल पर जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, लेकिन रुके हुए काम अचानक पूरे हो सकते हैं। बच्चों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। बड़े निवेश का विचार बन सकता है, लेकिन सोच-समझकर कदम उठाएं। समय का सही उपयोग करना जरूरी है। प्रेम संबंधों में विवाद से बचें। क्रोधी स्वभाव से दूरी बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज घरेलू जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी और आप काफी व्यस्त रहेंगे। परिवार के लोग आपका साथ देंगे, लेकिन अपनी बात समझाने में थोड़ी कठिनाई आ सकती है। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। शोध और अध्ययन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। *(सिटी दर्पण)*

प्रकृति की नन्हीं दूत है चिड़िया

रमेश सर्राफ धमोरा (हि.स)

विश्व गौरैया दिवस नन्हीं घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए अपने आसपास के माहौल को बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और उसपर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दशार्ती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुतीर्ले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्हीं चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपट कर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव-देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते हैं। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भागदौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना है कि यह चिड़िया शांति और सद्भावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी-सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्सह्ल ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को ह्यरेड लिस्टह्ल में डाला था। वहीं, आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानों ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घोंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घोंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी-सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबध हैं।)

कंडी क्षेत्र अब पिछड़ा नहीं रहा: भगवंत मान सरकार ने नहरी पानी ऊंचे इलाकों तक पहुंचाया

सभी गारंटियां बिना किसी भेदभाव के पूरी की जा रही हैं, 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज और 600 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा पूरा किया: बरिंदर कुमार गोयल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/काठगढ़ (एस.बी.एस. नगर)

पंजाब के जल संसाधन एवं भूमि व जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज कहा कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में अपने वादे निभा रही है और सभी गारंटियां बिना किसी भेदभाव के पूरी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहे कंडी क्षेत्र में मान सरकार ने सिंचाई के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अर्ध-पहाड़ी इलाके को खेती योग्य अवसरों में बदल दिया है।

मान सरकार ने 214 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना के माध्यम से पहली बार नहरी पानी को ऊंचे इलाकों तक पहुंचाया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों पर जोर देते हुए कहा कि इस परियोजना से पानी का बेहतर उपयोग होगा, बड़े स्तर पर ढांचागत निवेश होगा और किसानों को राहत देने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की दूरदर्शी सोच को मजबूती मिलेगी।

इस ऐतिहासिक कदम के तहत बरिंदर कुमार गोयल ने आज 214 करोड़ रुपये की लागत से तैयार काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना का उद्घाटन किया। इस योजना के माध्यम से पहली बार नहरी पानी को ऊंचे कंडी क्षेत्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है, जिससे कंडी क्षेत्र की सूखी और वर्षा पर निर्भर भूमि को सिंचाई सुविधाएं प्राप्त होंगी।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना से लगभग 33 गांवों की 11,500 एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में इजाफा होगा। यह पहल क्षेत्र की कृषि तस्वीर को बदलने में मील का पत्थर साबित होगी और किसानों को बेहतर फसलें उगाने के साथ-साथ भूमि की कीमत बढ़ाने में भी मदद करेगी।

उद्घाटन के बाद जन सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा, हुक्काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना कंडी नहर सिस्टम और बिस्त-दोआब प्रणाली के माध्यम से, ऊंचाई के कारण सिंचाई से वंचित क्षेत्रों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। इस परियोजना से

क्षेत्र को बहुत लाभ होगा और भूजल पर दबाव भी कम होगा।

उन्होंने आगे बताया कि इस परियोजना को तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 67 करोड़ रुपये की लागत वाला फरवरी 2026 में पूरा हो चुका है, जिसके तहत 13 गांवों के 4,000 एकड़ क्षेत्र को कवर किया गया है। दूसरा चरण 107 करोड़ रुपये की लागत वाला सितंबर 2026 तक पूरा होने की संभावना है, जिसमें 14 गांवों के 5,500 एकड़ क्षेत्र को शामिल किया जाएगा, जबकि तीसरा चरण 40 करोड़ रुपये में 6 गांवों के 2,000 एकड़ क्षेत्र को सिंचाई सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही बिजली के बोझ को कम करने के लिए 650 किलोवाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है।

तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने बताया कि इस योजना को बिस्त-दोआब नहर से जोड़ा गया है, जिसकी जल वहन क्षमता 67 क्यूसेक है। इसके तहत पंपों के माध्यम से पानी को ऊपर उठाकर ऊंचे-नीचे और अर्ध-पहाड़ी क्षेत्रों में विस्तृत पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए पहुंचाया जाएगा। पंप हाउस के लिए विभाग की मौजूदा भूमि का उपयोग किया गया, जिससे भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ी।

इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट और ट्यूबवेलों के बंद होने के कारण कंडी क्षेत्र के किसान वर्षा पर निर्भर हो गए थे, जिससे फसली विविधता और उत्पादन सीमित था। अर्ध-पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पारंपरिक नहर प्रणाली पहले संभव नहीं थी, जिससे भूमि की कीमतें भी कम थीं। इस परियोजना को डिजाइन करने के लिए आधुनिक सैटेलाइट और ड्रोन सर्वेक्षण किए गए और आईआईटी रुड़की तथा आईआईटी रोपड़ में तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसके बाद इसे छह महीनों के भीतर युद्ध स्तर पर लागू किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि इस परियोजना से पहले बलाचौर क्षेत्र के 72 गांवों में 28,205 एकड़ भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध थी, जो अब बढ़कर 105 गांवों की 39,705 एकड़ भूमि तक पहुंच जाएगी। खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए लगभग 94,000 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य में सिंचाई ढांचे को मजबूत करने और निर्बाध नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अब तक 6700 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पहले जहां केवल 22 प्रतिशत पानी का उपयोग होता था, अब यह बढ़कर 78 प्रतिशत हो गया है। नहरों की मजबूती से भूजल स्तर में सुधार, बिजली की खपत में कमी और मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि हुई है।

कंडी नहर के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह नहर तलवाड़ा से बलाचौर तक जाती है, जिसकी कुल लंबाई 129.035 किलोमीटर और जल वहन क्षमता 463 क्यूसेक है। 1980 में शुरू होने के बावजूद पहले पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता था। सरकार ने पानी के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित किया, 1500 किलोमीटर पुरानी पाइपलाइनों की मरम्मत की, 300 किलोमीटर नई पाइपलाइन बिछाई और 120 किलोमीटर नहरों व खालों की री-लाइनिंग की, जिससे तीन दशकों बाद 12 ब्लॉकों की 1,28,740 एकड़ भूमि को लाभ मिला।

लोक-कल्याणकारी पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार 10 लाख रुपये तक के बीमा कवर के साथ मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और घरों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है। लोगों से किए गए सभी वादे बिना किसी भेदभाव के पूरे किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर बंगा से विधायक डॉ. सुखविंदर सिंह सुक्खी, बलाचौर से विधायक संतोष कटारिया, डिप्टी कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर बलबीर राज सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में ई-युवा केंद्र का उद्घाटन समारोह एवं रिसर्च फेस्ट 2026 का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
बठिंडा

समाज से जुड़े शोध को बढ़ावा देने और युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब), बठिंडा में बीआईआरएसी समर्थित ई-युवा केंद्र का उद्घाटन समारोह तथा डीएसटी-परस के तत्वावधान में रिसर्च फेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने मुख्य अतिथि प्रो. रतन गुप्ता, कार्यकारी निदेशक, एम्स बठिंडा के साथ ई-युवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं ई-युवा केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे। डीन इंचार्ज अकादमिक प्रो. रामकृष्ण वुसिरिका ने अतिथियों का स्वागत करते

हुए कहा कि ई-युवा पहल छात्रों में नवाचार एवं शोध-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रो. मोनिशा धीमान, निदेशक आईक्यूएसी एवं समन्वयक, ई-युवा केंद्र ने केंद्र के उद्देश्यों, फेलोशिप अवसरों तथा डीबीटी-बीआईआरएसी पहल के अंतर्गत विकसित अधोसंरचना का विस्तृत परिचय दिया। अतिथियों ने केंद्र की सेल कल्चर सुविधा, बायोसेफ्टी कैबिनेट तथा मॉलिक्यूलर बायोलॉजी प्रयोगशालाओं का अवलोकन भी किया। इसके पश्चात अतिथियों ने रिसर्च फेस्ट 2026 का निरीक्षण किया, जहां 25 से अधिक शोध समूहों में 100 से अधिक शोधार्थियों ने पोस्टर एवं प्रदर्शनों के माध्यम से अपने शोध कार्यों एवं उनके सामाजिक प्रभाव को प्रस्तुत किया। शोध गतिविधियों में पर्यावरण विज्ञान, कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, जैव-चिकित्सा विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा सामाजिक विज्ञान जैसे विविध क्षेत्र शामिल रहे। मुख्य अतिथि प्रो. रतन गुप्ता ने ई-युवा केंद्र की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें युवा शोधकताओं में नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करती हैं तथा समाजोन्मुखी शोध को नई दिशा देती हैं। कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय की चुनौतियों के समाधान हेतु आलोचनात्मक सोच एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। समापन सत्र में श्री सत्येंद्र एस. चौधरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर (टीबीआई), आईआईएसईआर मोहाली ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा ई-युवा केंद्र की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. अंजना मुंशी, निदेशक (आरएंडडी) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने डीएसटी-परस परियोजना के उद्देश्यों एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन प्रो. विनोद पाठानिया एवं प्रो. राज कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

भगवंत मान सरकार ने एसिड अटैक पीड़ितों के लिए सहायता योजना को जेंडर-न्यूट्रल बनाया, मासिक सहायता बढ़ाकर 10,000 रुपये की: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

एसिड अटैक पीड़ितों के लिए वित्तीय सुरक्षा और सामाजिक सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पिछले वर्ष के दौरान एसिड अटैक पीड़ितों के लिए चल रही योजना को जेंडर-न्यूट्रल बना दिया गया है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा, पिछले वर्ष के दौरान एसिड अटैक पीड़ितों के लिए चल रही योजना को जेंडर-न्यूट्रल बनाया गया है। यह योजना पहले केवल महिलाओं तक सीमित थी, लेकिन अब पुरुष और ट्रांसजेंडर पीड़ित भी इसका लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा, इस योजना के तहत मासिक वित्तीय सहायता को 8,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है, जो पीड़ितों के जीवन-यापन और पुनर्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

हिंसा पीड़ितों के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास को पुनर्स्थापित करने का एक सशक्त प्रयास है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा, पंजाब सरकार हर उस व्यक्ति के साथ खड़ी है जो किसी भी प्रकार की हिंसा का शिकार हुआ है। यह निर्णय केवल आर्थिक सहायता के बारे में नहीं, बल्कि पीड़ितों के सम्मान, आत्मसम्मान और विश्वास को बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार मानवाधिकारों की रक्षा और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है, जहां हर पीड़ित समानता, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। ऐसे अपराधों के गंभीर प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा, एसिड हमले न केवल शारीरिक घाव देते हैं, बल्कि गहरी भावनात्मक और मानसिक पीड़ा भी छोड़ जाते हैं। ऐसे आघात से गुजरने वाले लोगों के लिए यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि यह भरोसा है कि वे अकेले नहीं हैं। पंजाब सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है, उनकी हिम्मत को सलाम करती है और उनके जीवन को पुनः सम्मान, आशा और आत्मविश्वास से भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईएसईआर मोहाली द्वारा रिमोट सेंसिंग और भूभौतिकीय इमेजिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला सीएप-जीईओ 2026 का आयोजन

मोहाली। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) मोहाली के पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान (ईईएस) विभाग ने 16 से 18 मार्च, 2026 तक CAP-GEO 2026ः प्राकृतिक आपदाओं और संसाधन मानचित्रण के लिए रिमोट सेंसिंग और भूभौतिकीय इमेजिंग में क्षमता निर्माणՠ शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यवाहक निदेशक और संकाय के डीन प्रो. पूणार्नंद गुप्ताशर्मा ने 16 मार्च को कार्यशाला का उद्घाटन किया और आगे बढ़ने के लिए अंतःविषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। CAP-GEO 2026 को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। आईआईएसईआर मोहाली के पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रमुख ने बताया कि छात्रों और संकाय सदस्यों की प्रतिक्रिया इतनी उत्साहजनक थी कि घोषणा के तीन दिनों के भीतर ही पंजीकरण बंद करने पड़े। इस कार्यशाला में भारत भर के शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और उद्योग जगत के पीएचडी शोधार्थी, स्नातकोत्तर छात्र, संकाय सदस्य, वैज्ञानिक और पेशेवर प्रतिभागी शामिल हैं। महिला शोधकताओं की भी उत्साहजनक भागीदारी रही है, जिनमें लगभग 30% महिलाएं उपस्थित थीं। यह कार्यशाला आईआईएसईआर मोहाली के पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ. यूनुस अली पुलपादन, डॉ. राजू अट्टाडा, डॉ. चंद्रकांता ओझा और डॉ. ज्योतिमा कनौजिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। प्रशिक्षण सत्र प्रमुख विश्वविद्यालयों (बीएचयू, सीयूएसएटी), राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों जैसे आईआईटी रुड़की, आईआईटी रोपड़, इसरो और उद्योग जगत के विशेषज्ञों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्राकृतिक आपदाओं, पर्यावरणीय प्रक्रियाओं और भूमिगत संसाधनों की जांच के लिए उपयोग की जाने वाली रिमोट सेंसिंग, भूभौतिकीय इमेजिंग और भूमापीय निगरानी की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना है।

सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, नाबालिग सहित छह आरोपी अमृतसर में गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़ / अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नाबालिग सहित छह आरोपियों को सात आधुनिक पिस्तौलों समेत गिरफ्तार कर सीमा पार से चल रहे एक हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव बुरज के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (27), बटाला के सुंदर नगर के मनीष कुमार उर्फ जैरी (24), अमृतसर के गांव चूचकवाल के सरूप सिंह उर्फ रूप (27), अमृतसर के गांव फतेहपुर राजपूता के चमकौर सिंह (20) और तरनतारन के भिखीविंड के

वंश शर्मा (23) के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में पांच 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और दो .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी पुर्तगाल स्थित एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में थे, जो ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से अवैध हथियारों की तस्करी में उनकी मदद करता था। उन्होंने कहा कि आरोपी इन हथियारों की खेप प्राप्त कर उन्हें आगे आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे। डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए आगे-पीछे के लिंक स्थापित करने हेतु और जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से एक नाबालिग समेत गुरप्रीत उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद किए।

आगे की पूछताछ के दौरान हुए खुलासे के आधार पर उसके साथियों मनीष उर्फ जैरी, सरूप उर्फ रूप और चमकौर सिंह को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से तीन और 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि बाद में आरोपी चमकौर सिंह द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर वंश शर्मा को भी दो .30 बोर पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

सीपी ने बताया कि आरोपी मनीष उर्फ जैरी पिछले साल बटाला में पुलिस अधिकारियों पर हुई फायरिंग की घटना में शामिल था और फरार चल रहा था। इसी तरह आरोपी सरूप उर्फ रूप का भी आपराधिक रिकॉर्ड है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

इस संबंध में अमृतसर के पुलिस स्टेशन छावनी में शस्त्र अधिनियम की धारा 25(6), 25(7)(1) और 25(8) के तहत एफआईआर नंबर 42 दिनांक 11-03-2026 को मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

जय माता किन्नर मंदिर, बापूधाम सेक्टर-26 में नवरात्रि पर्व श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया जाएगा

चंडीगढ़। चैत्र नवरात्रि का पर्व जय माता किन्नर मंदिर में 19 से 27 मार्च 2026 तक जय माता किन्नर मंदिर, इउळ सेक्टर-26, चंडीगढ़ में बड़े ही श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इन 9 पावन दिनों में माता के विभिन्न स्वरूपों की विधिवत धार्मिक रीति रिवाज से पूजा अर्चना होगी। यह जानकारी जय माता किन्नर मंदिर, बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर-26, की पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर माँ कमलीनन्द गिरी जी महाराज अंतर्राष्ट्रीय किन्नर व जुना अखाड़ा चंडीगढ़ ने दी। महामण्डलेश्वर माँ कमलीनन्द गिरी जी महाराज अंतर्राष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा व जुना अखाड़ा, चंडीगढ़ ने बताया कि हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का पर्व आस्था, भक्ति और शक्ति की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि के इन नौ दिनों में मां दुर्गा पृथ्वी पर अपने भक्तों के बीच आती हैं और उनकी सच्ची श्रद्धा से की गई प्रार्थनाओं को स्वीकार करती हैं। नवरात्रि की शुरूआत प्रतिपदा तिथि पर होने वाली घटस्थापना यानी कलश स्थापना से होती है। 27 मार्च, शुक्रवार तक पूरे नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाएगी। 19 मार्च से 27 मार्च तक नित्यप्रति पूजा अर्चना होगी और प्रत्येक संध्या महिला कीर्तन मंडली द्वारा माँ का भव्य कीर्तन होगा। इसके उपरांत माता की विशेष आरती एवं पूजन सम्पन्न होगा तथा रात्रि 8 बजे हवन पूजन होगा। दिनांक 27 मार्च रामनवमी अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें आरती पूजा, गौ पूजन सहित 108 कन्याओं का पूजन व माता का भंडारा प्रसाद वितरण शामिल रहेगा। उन्होंने बताया कि नवरात्रों के दौरान ही गुरु माँ मधु जी की बरसी भी है, तो 21 मार्च से बापूधाम स्थित गुरुद्वारा साहिब श्री अखंड पाठ का शुभारंभ होगा और 23 मार्च को भोग डाला जाएगा।

निप्पॉन पेंट ने भारतीय बाजार में पैठ मजबूत करने के लिए पंजाब किंग्स के साथ साझीदारी की

चंडीगढ़। निप्सी ग्रुप का हिस्सा और एशिया प्रशांत की नंबर 1 पेंट एवं कोटिंग विनिमार्ता कंपनी निप्पॉन पेंट इंडिया ने आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स के साथ इसकी फ्रैंचाइजी के आधिकारिक साझीदार के तौर पर एक ऐतिहासिक साझीदारी की घोषणा की। निप्पॉन पेंट का लोगो इस टूनार्मेंट के हर मैच में पंजाब किंग्स की जर्सी की दाहिनी आस्तीन पर दिखाई देगा जिससे यह ब्रांड इस धरती पर सबसे बड़े और लोकप्रिय खेलों में से एक खेल के दर्शकों के सामने उभरकर आएगा। इस साझीदारी की घोषणा निप्पॉन पेंट (इंडिया) ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री शरद मल्होत्रा, निप्पॉन पेंट इंडिया के अध्यक्ष (डेकोरेटिव कोटिंग्स बिजनेस) श्री मार्क टीटस और पंजाब किंग्स के सीईओ श्री सतीश मेनन द्वारा भारत और पंजाब किंग्स के क्रिकेटर और आईपीएल के ऑल टाइम अग्रणी विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल और पंजाब किंग्स के क्रिकेटर एवं सबसे भरोसेमंद फिनिशरों में से एक शशांक सिंह की उपस्थिति में की गई।

सैमसंग अगले सप्ताह भारत में लॉन्च करेगा गैलेक्सी A57 और गैलेक्सी A37

चंडीगढ़। सैमसंग भारत में अपनी अगली पीढ़ी के गैलेक्सी ए सीरीज स्मार्टफोन्स लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये नए स्मार्टफोन्स गैलेक्सी 57 ए5 और गैलेक्सी ए37 अगले सप्ताह की शुरूआत में ही लॉन्च किए जा सकते हैं। इन नए स्मार्टफोन्स की सबसे बड़ी खासियत कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्नत कैमरा क्षमताएं होंगी। इन दोनों स्मार्टफोन्स में नए अकफीचर्स मिलने की भी संभावना है, जिन्हें सैमसंग ऑसम इंटेलिजेंसՠ कहता है। इन्हें धूल और पानी से सुरक्षा के लिए ड्यूरेबिलिटी के साथ लॉन्च किया जा सकता है। उन्हें लंबे समय तक सिक्योरिटी अपडेट और डर अपग्रेड मिलने की भी संभावना है, जो सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन्स की एक प्रमुख पहचान है। ये नए डिवाइस किफायती कीमतों पर प्रीमियम फीचर्स लाने की सैमसंग की ग्राहकों के अनुकूल रणनीति को प्रदर्शित कर सकते हैं। गैलेक्सी अ सीरीज भारत में सैमसंग की सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज में से एक है, जिसकी देश में अब तक की कुल बिक्री 10 करोड़ (100 मिलियन) यूनिट्स के करीब है।

गैंगस्टरां ते वार के 58वें दिन 207 व्यक्ति गिरफ्तार

युद्ध नशेयां विरुद्ध: पूरे राज्य में 426 ड्रग हॉटस्पॉटों पर छापेमारी; 248 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब से नशों के खात्मे के लिए किए जा रहे लगातार प्रयासों के तहत, पंजाब पुलिस ने अपनी नशा विरोधी मुहिम के 383वें दिन आज राज्य भर में चिन्हित ड्रग हॉटस्पॉटों - नशे और नशीले पदार्थों की बिक्री के स्थानों - पर राज्य स्तरीय घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (कासो) चलाया।

यह घेराबंदी और तलाशी अभियान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। पंजाब पुलिस मुख्यालय (पीपीएचक्यू) के वरिष्ठ अधिकारियों को इस अभियान की व्यक्तिगत निगरानी के लिए अलग-अलग जिलों में तैनात किया गया था।

दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने राज्य भर में 426 ड्रग हॉटस्पॉटों पर छापेमारी की। इस दौरान 200 एफआईआरज दर्ज कर 248 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 710 ग्राम हेरोइन, 20 किलोग्राम भुक्की, 2655 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 14,150 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, जो इस अभियान की निजी तौर पर निगरानी कर रहे हैं, ने बताया कि 1 मार्च 2025 को शुरू की गई ह्ययुद्ध नशेयां विरुद्धह्न मुहिम के तहत अब तक पूरे राज्य में 38,119 एफआईआरज दर्ज की गई हैं और 54,190 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 2384 किलोग्राम हेरोइन, 715 किलोग्राम अफीम, 303 क्विंटल भुक्की, 834 किलोग्राम गांजा, 51.35 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल, 36 किलोग्राम आईसीई और 17 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 1.21 लाख व्यक्तियों को नशा मुक्ति या ओट केंद्रों में इलाज और पुनर्वास के लिए राजी किया है।

> पंजाब पुलिस ने 1 मार्च 2025 से अब तक 38 हजार से अधिक एफआईआरज दर्ज कर 54 हजार नशा तस्करों को किया गिरफ्तार; 2384 किलोग्राम हेरोइन, 715 किलोग्राम अफीम और 17 करोड़ रुपये की ड्रग मनी की बरामद

इस दौरान ह्यगैंगस्टरां ते वारह्न अभियान के 58वें दिन पुलिस टीमों ने 4 हथियारों सहित 207 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियां 15,458 हो गई हैं। इसके अलावा 80 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 101 व्यक्तियों को सत्यापन के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 6 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

कुवैत में 2 तेल रिफाइनरियों पर ईरानी ड्रोन का हमला, लगी आग

छह फायर फाइटिंग टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया

एजेंसी (हि.स.)
इस्तांबुल/कुवैत

पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच गुरुवार सुबह कुवैत की दो तेल रिफाइनरीज मीना अल-अहमदी रिफाइनरी और मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी पर ईरान ने ड्रोन हमले किए, जिससे आग लग गई। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि स्थिति पर जल्द काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

तुर्किए की आधिकारिक संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी (एए), कुवैत के प्रमुख समाचार पत्र कुवैत टाइम्स तथा अन्य मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को बताया कि देश की दो प्रमुख तेल रिफाइनरियों पर ईरान द्वारा

फोटोः हि.स.

ड्रोन हमले किए गए, जिससे कुछ स्थानों पर आग लग गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इनमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अनुसार एक ड्रोन ने मीना अल-अहमदी रिफाइनरी की एक ऑपरेशनल यूनिट को निशाना बनाया, जबकि दूसरे हमले में मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को टारगेट किया गया। दोनों ही रिफाइनरियों का संचालन कुवैत नेशनल पेट्रोलियम कंपनी (केएनपीसी) करती है।

हमलों के बाद रिफाइनरियों में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए तुरंत इमरजेंसी और रैपिड रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया। कुवैत न्यूज एजेंसी (कुना) के मुताबिक छह फायर फाइटिंग टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया।

अमेरिका की ईरान को चेतावनी, कतर पर हमला जारी रहा तो दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को तबाह कर देगा

वाशिंगटन। ईरान के कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमले पर अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मध्य-पूर्व युद्ध शुरू हुए लगभग तीन सप्ताह हो चुके हैं। इस दौरान ईरान अरब खाड़ी देशों में ऊर्जा से जुड़े अहम बुनियादी ढांचों पर अपने हमले तेज कर रहा है। इससे दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ गई है और वैश्विक तेल की कीमतें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। अमेरिका ने कहा कि अगर ईरान कतरे में हमले जारी रखता है तो उसके 'साउथ पार्स' को तबाह कर दिया जाएगा। साउथ पार्स को ईरान की अर्थव्यवस्था की लाइफ लाइन माना जाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन को ईरान के गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों से अलग रखने की कोशिश की है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमले जारी रखे तो अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को पूरी तरह से ₹तबाह₹ कर देगा। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान हमले नहीं रोकता तो ईरानी गैस क्षेत्र को उड़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को साउथ पार्स पर हुए इजराइली हमले के बारे में ₹कुछ भी पता नहीं था।₹ हालांकि, दो इजराइली अधिकारियों ने बुधवार को सीएनएन को बताया कि यह हमला अमेरिका के साथ तालमेल बिठाकर किया गया। बहरहाल ईरान ने कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमला कर पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) निर्यात टर्मिनल है। ईरान ने इस टर्मिनल को निशाना बनाया है। यह हमला 18-19 मार्च की रात किया गया।

रूस ने ईरान के बुशेहर न्यूक्लियर प्लांट के पास हुए हमले की निंदा की

एजेंसी (हि.स.)
मॉस्को/इस्तांबुल

फोटोः हि.स.

रूस ने ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए मिसाइल हमले की निंदा की है। रूस की परमाणु एजेंसी रोसाटॉम ने चेतावनी दी कि परमाणु संयंत्रों के आसपास ऐसे हमले गंभीर सुरक्षा और पर्यावरणीय खतरे पैदा कर सकते हैं। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की है। कंपनी ने सभी पक्षों से संयम बरतने और परमाणु संयंत्र के आसपास तनाव कम करने की अपील की है।

रोसाटॉम के प्रमुख अलेक्सी लिखाचेव ने एक बयान में कहा कि कंपनी इस हमले को ह्लपूरी तरह अस्वीकार्यह्व मानती है और संबंधित पक्षों से अपील करती है कि वे किसी भी ऐसी कार्रवाई से बचें, जिससे परमाणु सुरक्षा को खतरा हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमले के बावजूद संयंत्र के आसपास रेडिएशन स्तर सामान्य है और किसी कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। इससे पहले ईरान की परमाणु एजेंसी ने बताया था कि प्लांट परिसर के पास एक मिसाइल या प्रोजेक्टाइल गिरा, लेकिन इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला रिएक्टर से महज कुछ मीटर की दूरी पर हुआ, जो बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना कदम है। मारियाजखारोवा ने अमेरिका और इजराइल से परमाणु ठिकानों पर हमले बंद करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि ऐसे कदम पूरे क्षेत्र में रेडियोलॉजिकल और पर्यावरणीय आपदा का कारण बन सकते हैं।

रूस ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष-विराम की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से इस घटना की स्पष्ट शब्दों में निंदा करने की उम्मीद जताई है।

ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार इस हमले में कोई जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

ईरान का कतर में दुनिया के सबसे बड़े लिक्विफाइड नेचुरल गैस निर्यात टर्मिनल पर हमला

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
दोहा (कतर)

ईरान ने कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमला किया है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) निर्यात टर्मिनल है। ईरान ने इस टर्मिनल को निशाना बनाया है। यह हमला 18-19 मार्च की रात किया गया। कतर ने कहा है कि देश की मुख्य गैस सुविधा रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर ईरानी मिसाइल हमलों से काफी नुकसान हुआ है। एबीसी न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कतर के विदेश मंत्रालय ने ईरान के हमले की कड़ी निंदा और भर्त्सना की है। मंत्रालय ने कहा कि हमले के कारण टर्मिनल में आग लग गई। रिपोर्ट के अनुसार, कतर के अधिकारियों ने कहा कि ईरान ने पांच बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से चार को इंटरसेप्ट कर लिया गया, लेकिन एक मिसाइल टर्मिनल पर गिरी। ईरान ने इसके अलावा ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। कतर एनर्जी ने पुष्टि की है कि हमले के कारण टर्मिनल पर भीषण आग लग गई और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान हुआ।

वेनेजुएला में बड़ा सैन्य बदलाव, 11 साल बाद बदला रक्षा मंत्री

कराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश के रक्षा मंत्रालय में बड़ा बदलाव करते हुए जनरल गुस्तावो गोंजालेज लोपेज को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। वह लंबे समय से इस पद पर रहे जनरल व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज की जगह लेंगे। सरकारी बयान के अनुसार व्लादिमीर पैड्रिनो पिछले 11 वर्षों से अधिक समय से वेनेजुएला के रक्षा मंत्री पद पर थे और देश की सैन्य व्यवस्था में उनका अहम प्रभाव माना जाता था। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में पैड्रिनो को उनके लंबे समय तक किए गए सेवा और देश के प्रति वफादारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें सरकार में नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। पैड्रिनो ने अपने सैन्य करियर की शुरूआत पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के दौर में राष्ट्रपति गार्ड की औपचारिक इकाई का नेतृत्व करते हुए की थी। बाद में उनका प्रभाव और बढ़ा जब पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने उन्हें 2014 के अंत में रक्षा मंत्री नियुक्त किया था। विश्लेषकों के मुताबिक हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद वेनेजुएला की सेना में स्थिरता बनाए रखने के लिए पैड्रिनो को लंबे समय तक पद पर बनाए रखा गया था। रिपोर्टों के अनुसार वेनेजुएला की सैन्य संरचना में करीब 2000 जनरल विभिन्न इकाइयों का नेतृत्व करते हैं और सेना का देश की अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में भी प्रभाव है।

निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रपति को सौंपे चुनाव परिणाम नेपाल में सरकार गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

निर्वाचन आयोग ने नेपाल में 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के अंतिम परिणाम आधिकारिक रूप से गुरुवार को राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल को सौंप दिए। इसके साथ ही देश में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। अब देश में औपचारिक रूप से सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अंतिम परिणामों के अनुसार 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी है और उसने 182 सीटें जीतकर लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है।

इनमें से 125 सदस्य प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से और 57 सदस्य समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से चुने गए हैं। नेपाली कांग्रेस को 38, सीपीएन-यूएमएल को 25, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 17 सीटें मिली हैं। इसी तरह श्रम संस्कृति पार्टी ने 7 और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने 5 सीटें जीती हैं, जबकि एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी निर्वाचित हुआ है। नेपाल के संविधान की धारा 76 के अनुसार प्रतिनिधि सभा में बहुमत रखने वाले दल के संसदीय दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाता है। आरएसपी ने अपने वरिष्ठ नेता बालेन्द्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ा था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के लिए व्यक्ति का प्रतिनिधि सभा का सदस्य और संसदीय दल का नेता होना आवश्यक है। पार्टी बालेन्द्र को संसदीय दल का नेता चुनने की तैयारी कर रही है। चूंकि आरएसपी के पास अकेले ही लगभग दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए संविधान की धारा 76(1) के तहत उसी पार्टी के संसदीय दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा।

संवैधानिक विशेषज्ञ खिमलाल देवकोटा के अनुसार सांसदों के शपथ लेने के बाद संसदीय दल का नेता चुना जाएगा और राष्ट्रपति बहुमत दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे, जिसके बाद मंत्रिपरिषद का गठन होगा। यह संविधान लागू होने के बाद पहली बार होगा जब कोई एक दल स्पष्ट बहुमत के साथ अनुच्छेद 76(1) के तहत सरकार बनाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

ईरान में पुलिसकर्मियों की हत्या में दोषी तीन लोगों की फांसी दी गई

तेहरान। ईरान में वीरवार सुबह पुलिसकर्मियों की हत्या में तीन दोषी तीन लोगों को फांसी पर चढ़ा दिया गया। इनको अशांति के दौरान अमेरिका और इजराइल के पक्ष में अभियान चलाने का दोषी पाया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब देश में बड़े पैमाने पर शुरू हुआ संघर्ष अपने 20वें दिन में पहुंच गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार न्यायपालिका की वेबसाइट 'मीजान ऑनलाइन' में जानकारी साझा की गई है कि जनवरी में हुई अशांति के दौरान हत्या करने, इजराइल और अमेरिका के पक्ष में अभियान चलाने के आरोपों में दोषी पाए गए तीन लोगों को आज सुबह फांसी दे दी गई। इसमें यह भी कहा गया कि जिन लोगों को मौत की सजा दी गई, वे दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों की हत्या में शामिल थे। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर के आखिर में शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान 3,117 लोग मारे गए। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते की शुरूआत में ईरान ने एक स्वीडिश नागरिक को मौत की सजा दी। स्वीडन के विदेशमंत्री ने यह जानकारी तब दी, जब ईरानी अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने एक कथित इजराइली जासूस को मौत की सजा दी है। ईरानी अधिकारियों ने बुधवार को पूरे देश में सैकड़ों और लोगों को गिरफ्तार करने की जानकारी दी है। साथ ही कहा कि अमेरिका और इजराइल हिमायत करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। ईरान ने 2025 में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने के दोषी पाए गए कई लोगों को मौत की सजा दी थी।

नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष गगन थापा ने ली हार की जिम्मेदारी, दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष गगन थापा ने प्रतिनिधि सभा चुनाव में पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। थापा ने अपना इस्तीफा उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा को सौंपा। पार्टी की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में इस्तीफे पर फैसला किया जाएगा। पार्टी उपाध्यक्ष शर्मा ने आज एक्स पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि पार्टी अध्यक्ष गगन थापा इस्तीफा देना दुखद है। इस पर फैसला कल होने वाली केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में लिया जाएगा। गगन थापा को 11 से 14 जनवरी तक काठमांडू के भृकुटीमंडप में आयोजित विशेष महाधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि, इस महाधिवेशन की वैधता को तत्कालीन अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा और कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और यह मामला अभी विचाराधीन है। महाधिवेशन के तुरंत बाद नेपाली कांग्रेस चुनाव में उतरी, जहां पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के सभी बड़े नेता एवं पदाधिकारी इस चुनाव में पराजित हो गए हैं। इतना ही नहीं पार्टी अध्यक्ष थापा स्वयं भी चुनाव हार गए हैं। थापा को सलाहीं-4 से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार डॉ. अमरेश सिंह ने पराजित किया।

समानुपातिक प्रणाली से निर्वाचित सांसदों को निर्वाचन आयोग आज प्रदान करेगा प्रमाण पत्र

काठमांडू। नेपाल का निर्वाचन आयोग वीरवार समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत निर्वाचित उम्मीदवारों को प्रमाणपत्र वितरित करेगा। समानुपातिक प्रणाली के निर्वाचन अधिकारी कृष्ण बहादुर राउत के अनुसार, प्रमाणपत्र सुबह 11:30 बजे आयोग के कार्यालय में प्रदान किए जाएंगे। आयोग पहले ही राजनीतिक दलों द्वारा प्रस्तुत निर्वाचित उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित कर चुका है। समानुपातिक प्रणाली के तहत निर्वाचित सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ मूल नागरिकता प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय पहचान पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आएं। पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में छह राजनीतिक दलों ने राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल किया। समानुपातिक प्रणाली के तहत राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने 57 सीटें जीतीं, इसके बाद नेपाली कांग्रेस ने 20, सीपीएन यूएमएल ने 16, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने 9, श्रम संस्कृति पार्टी ने 4 और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने 4 सीटें हासिल कीं। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्य प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से और 110 सदस्य समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से चुने जाते हैं। समानुपातिक प्रमाणपत्रों के वितरण के साथ ही चुनाव प्रक्रिया औपचारिक रूप से समाप्त हो जाएगी।

राज्यसभा में खुलासा : 2021 से 'नैक' की मान्यता के बगैर चल रहे बंगाल के तीन विश्वविद्यालय

कोलकात। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता को लेकर पश्चिम बंगाल के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार को राज्यसभा में सरकार की ओर से दिए गए एक लिखित उत्तर के अनुसार, राज्य के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों - रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, गौर बंग विश्वविद्यालय और कल्याणी विश्वविद्यालय की नैक मान्यता की अवधि समाप्त हो चुकी है। पश्चिम बंगाल से सांसद और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने बताया कि इन विश्वविद्यालयों की मान्यता वर्ष 2021 में समाप्त हो गई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इन संस्थानों ने अब तक पुनः मान्यता (री-एक्रेडिटेशन) के लिए आवेदन भी नहीं किया है। सरकार के अनुसार, नैक मान्यता उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, स्वायत्तता का दर्जा और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं इससे जुड़ी होती हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि (यूजीसी) केवल उन्हीं संस्थानों को अनुदान देता है जो यूजीसी अधिनियम की धारा 12बी के तहत मान्यता प्राप्त हैं, और इसके लिए नैक मान्यता अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस रवि मित्तल पीएमओ में उपसचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ कैडर के 2016 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. रवि मित्तल को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह प्रतिनियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से चार वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। डॉ. रवि मित्तल वर्तमान में छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त और मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। बीते डेढ़ वर्ष से वे राज्य शासन के संचार और सूचना तंत्र को संभाल रहे थे।

कंबोडिया में फंसे 20 नेपाली नागरिकों को सुरक्षित काठमांडू पहुंचाया गया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

कंबोडिया में विभिन्न कारणों से फंसे 20 नेपाली नागरिकों का सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है। ये सभी लोग अलग-अलग प्रलोभनों में आकर कंबोडिया पहुंचे थे, जिन्हें नेपाल दूतावास बैंकक ने बचाया। दूतावास के अनुसार, इन लोगों को ऑनलाइन स्कैमिंग केंद्रों, ठगी करने वाले कैसीनो और अन्य अवैध गतिविधियों में लगाया गया था, जबकि कुछ लोग बिना वीजा के वहां रह रहे थे। इन लोगों को दूतावास की पहल और कंबोडिया सरकार के सहयोग से बचाया गया।

इन नागरिकों को गैरआवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के समन्वय से बुधवार को काठमांडू भेजा गया। यह सभी आज त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर सुरक्षित पहुंचे। दूतावास ने बयान जारी कर यह भी जानकारी दी है कि कंबोडिया में अभी और भी नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें भी जल्द वापस लाने के प्रयास जारी हैं। कठिन परिस्थितियों में रह रहे नेपाली नागरिकों से अपील की गई है कि वे बैंकॉक स्थित नेपाली दूतावास या गैर आवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के प्रतिनिधियों से संपर्क करें। कंबोडिया के पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, हाल के वर्षों में वहां जाने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में 101 नेपाली नागरिक, 2022 में 1,977, 2023 में 2,940, 2024 में 6,404, 2025 में 9,676 नेपाली नागरिक कंबोडिया पहुंचे।

नेपाली सेना के प्रधान सेनापति ने देश की मौजूदा स्थिति पर पूर्व सेनाध्यक्षों से चर्चा की

काठमांडू। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल ने देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर पूर्व प्रधान सेनापतियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। यह बैठक काठमांडू स्थित जंगीअड्डा (सैनिक मुख्यालय) में आयोजित की गई, जिसमें पूर्व प्रधान सेनापति प्यारजंग थापा, गौरवशमशेर राणा, राजेन्द्र क्षत्री, पूर्णचन्द्र थापा और प्रभुराम शर्मा शामिल हुए। सैनिक जनसम्पर्क तथा सूचना निर्देशनालय के अनुसार, इस बैठक में देश की समसामयिक परिस्थितियों, सुरक्षा स्थिति और सेना की भूमिका से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक को रणनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। पूर्व प्रधान सेनापतियों के पास लंबे समय का अनुभव और सुरक्षा मामलों की गहरी समझ होती है, जिससे वर्तमान नेतृत्व को नीति निर्माण और निर्णय लेने में सहायता मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार, नेपाल में बदलते राजनीतिक परिदृश्य, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सेना नेतृत्व द्वारा इस तरह की परामर्श बैठकें करना एक सकारात्मक कदम है। हालांकि, बैठक के विस्तृत एजेंडे को सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इसे वर्तमान राष्ट्रीय और सुरक्षा संदर्भ में एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर उड़ते दिखे ड्रोन

वाशिंगटन। अमेरिकी सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। इस बेस परिसर में विदेशमंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ रहते हैं। इस बेस के ऊपर ड्रोन दिखने से सुरक्षा चिंता बढ़ गई है। देश के कई बेस पर लगाए गए लॉकडाउन और दुनिया भर में जारी सुरक्षा अलर्ट इस बात की संभावना को पुख्ता करते हैं कि ईरान की जवाबी कार्रवाई अमेरिका की धरती पर मौजूद अधिकारियों तक भी पहुंच सकती है। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि इन ड्रोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी साफ नहीं है कि वह कहां से आए। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहचान न उजागर करने के आग्रह करते हुए बताया सेना संभावित खतरों पर अब और भी अधिक बारीकी से नजर रख रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध की वजह से अलर्ट का स्तर बढ़ा दिया गया है। इस अधिकारी ने बताया कि पिछले 10 दिनों में एक ही रात में फोर्ट लेस्ली जे. मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे जा चुके हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा के उपाय और भी कड़े कर दिए गए हैं। और व्हाइट हाउस में एक बैठक भी हुई है।

नेपाल में भारत के सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुका

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में भारत के आर्थिक सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुक गया है। पूर्वझपश्चिम रेलवे परियोजना का काम बर्दिबास नगरपालिका क्षेत्र में 14 प्रभावित व्यक्तियों के मुआवजा विवाद के चलते प्रभावित हुआ है। भारत के सहयोग से जयनगर से महोत्तरी जिले की भंगहा नगरपालिका स्थित रेलवे स्टेशन तक रेल सेवा पहले ही शुरू हो चुकी है। लेकिन भंगहा से बर्दिबास तक का निर्माण कार्य मुआवजा भुगतान न होने के कारण रुक गया है। इन 14 प्रभावित लोगों को लगभग 7 से 8 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना है। रेलवे विभाग ने इस राशि की निकासी के लिए भौतिक पूवार्धार तथा यातायात मंत्रालय से अनुरोध किया है। मुआवजा न मिलने से नाराज प्रभावित लोगों ने मजबूर होकर बर्दिबास में रेलवे निर्माण कार्य को रोक दिया। इस रेलवे ट्रैक का निर्माण कार्य कर रही कोंकण रेलवे ने नेपाल सरकार को पत्र लिख कर मुआवजा विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। कोंकण रेलवे के तरफ से भारतीय दूतावास ने नेपाल के भौतिक योजना तथा यातायात मंत्रालय और रेल विभाग को पत्र भेजकर इस मामले को सुलझा कर रेलवे ट्रैक निर्माण कार्य को निर्बाध आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

गुजरात के अहमदाबाद में नकली नोटों का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीती देर रात अमराईवाड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की है। इस मामले में सूरत की एक महिला समेत कुल 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के पास से कुल 2.90 करोड़ रुपये की नकली नोट बरामद हुए हैं। इनमें से 2.10 करोड़ रुपये अहमदाबाद से और 80 लाख रुपये सूरत से जब्त किए गए हैं। इतनी बड़ी मात्रा में नोटों की गिनती करने में पुलिस को लगभग 6 घंटे का समय लगा।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजियन ने आज बताया कि आरोपित चीन से हाई क्वालिटी का पेपर मंगाकर नकली नोट तैयार करते थे। इन नोटों का इस्तेमाल वे खास तौर पर जमीन के सौदों में खपाने के लिए करते थे और इसके लिए आंगड़िया नेटवर्क का भी उपयोग किया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित पहले भी अहमदाबाद में 3-4 वित्तीय लेनदेन कर चुके हैं।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध लग्जरी कार को अमराईवाड़ी में रोका , जिस पर ह्लसत्यम योग फाउंडेशनह्व लिखा हुआ था। जांच के दौरान कार से भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुए। आरोपित खुद को सरकारी वाहन दिखाने के लिए भारत सरकार और आयुष मंत्रालय के नाम का दुरुपयोग कर रहे थे। पूछताछ के दौरान इस पूरे रैकेट के तार सूरत तक जुड़े पाए गए। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई, जहां उधना इलाके में छापेमारी कर हाईटेक प्रिंटिंग मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही 80 लाख रुपये की नकली नोट भी जब्त किए गए। क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद और सूरत में कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद से 2.10 करोड़ रुपये और सूरत से 80 लाख रुपये की नकली नोट बरामद किए।

चुनाव

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

बुजुर्गों, दिव्यांगों और चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को मिलेगी डाक मतपत्र की सुविधा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों में बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, सेवा मतदाताओं और चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा प्रदान करने का ऐलान किया है। यह कदम चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया है, ताकि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

निर्वाचन आयोग ने 15 मार्च को पांच राज्यों असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों तथा 6 राज्यों गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा में उप-चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। अधिसूचनाएं 16 मार्च को असम, केरल और पुदुचेरी के लिए जारी कर दी गई हैं। मतदान की प्रक्रिया अप्रैल-मई में पूरी होगी, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर सुविधा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और मतदाता सूचियों में चिह्नित दिव्यांगजन डाक मलपत्र के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि आवेदन फॉर्म 12घ के माध्यम से किया जाएगा। अधिसूचना जारी होने के पांच दिनों के भीतर ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के जरिए रिटर्निंग अधिकारी को जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि मतदान दल घर जाकर वोट एकत्र करेगा, जहां गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि अग्निशमन, स्वास्थ्य, बिजली, यातायात, एम्बुलेंस, विमानन, सरकारी सड़क परिवहन आदि सेवाओं के कर्मचारी नोडल अधिकारी के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिकृत मीडियाकर्मी भी इस श्रेणी में शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि डाक मतपत्र प्राप्त कर मत दर्ज करेंगे और सुविधा केंद्र पर जमा करेंगे। ईसीआई ने गोपनीयता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। उम्मीदवारों की अंतिम सूची के बाद इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्र के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतपत्र भेजे जाएंगे। सेवा मतदाताओं को डाक खर्च की कोई आवश्यकता नहीं। महत्वपूर्ण समय-सीमा और निर्देश डाक मतपत्रों का मतगणना दिवस यानी 4 मई को सुबह 8 बजे तक संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) के पास पहुंचना अनिवार्य है। रिटर्निंग अधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारी को राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों को इन प्रावधानों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

यमुनानगर के खिलाड़ी अंकित ने थाईलैंड में जीता स्वर्ण पदक

मेजबान थाईलैंड को हराकर भारतीय टीम बनी चैंपियन, गांव पहुंचने पर अंकित का भव्य स्वागत

एजेंसी (हि। स।)

यमुनानगर

यमुनानगर के खंड रादौर के गांव इस्माइलपुर के खिलाड़ी अंकित ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। थाईलैंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के दौरान भारत और मेजबान थाईलैंड के बीच खेले गए मुकाबलों में भारतीय टीम ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी मैच अपने पक्ष में किए। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने संतुलित और सशक्त प्रदर्शन कर जीत सुनिश्चित की। उपलब्धि के बाद गांव में खिलाड़ी का

उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सम्मानित कर उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। खिलाड़ी ने अपनी सफलता का श्रेय चयन प्रक्रिया, निरंतर अभ्यास और मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर हुए ट्रायल के आधार पर टीम में चयन हुआ, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिल सके। उन्होंने सरकार से खेल ढांचे को मजबूत करने, प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने और योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति की मांग की है। साथ ही युवाओं को संदेश दिया कि शिक्षा के साथ खेलों में भागीदारी भी जीवन के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। अंकित के परिजनों ने बताया कि प्रारंभिक अवस्था से ही अंकित की खेलों में विशेष रुचि रही, जिसे उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला। अब वह भविष्य में भी खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नाइट राइडर्स ग्रुप ने कैलिफोर्निया में अपने घरेलू क्रिकेट मैदान का अनावरण किया

एजेंसी (हि। स।)

लॉस एंजिल्स

नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 2026 के लिए अपने आधिकारिक घरेलू मैदान की घोषणा की है। यह 'नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड' कैलिफोर्निया के पोमोना स्थित फेयरप्लेक्स में है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टीम लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) अपने एमएलसी 2026 के कुछ मैच इसी मैदान पर खेलेगी।

नाइट राइडर्स ग्रुप दक्षिणी कैलिफोर्निया में अपना क्रिकेट मैदान स्थापित करके इस क्षेत्र को अमेरिका में क्रिकेट के भावी केंद्र के रूप में बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यह नया मैदान प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्रिकेट सुविधाओं के बीच दुनिया के कुछ सबसे रोमांचक खिलाड़ियों के उच्चतम गुणवत्ता वाले पेशेवर क्रिकेट का लाइव अनुभव कराएगा।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सह-मालिक शाहरुख खान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नाइट राइडर्स एक वैश्विक परिवार के रूप में विकसित

हुआ है और हर नई उपलब्धि हमारे लिए खास है। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) को नाइट राइडर्स क्रिकेट के रूप में अपना खुद का मैदान मिलते देखना बेहद रोमांचक है। अमेरिका एक बड़ा खेल बाजार है, जहां उत्साही प्रशंसक हैं और हम आशा करते हैं कि यह मैदान एक ऐसा स्थान बनेगा, जहां लोग खेल का जश्न मनाने और टीम का समर्थन करने के लिए एक साथ आएंगे। मैं लॉस एंजिल्स में नाइट राइडर्स के इस नए अध्याय के लिए बहुत उत्सुक हूं। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा कि लॉस एंजिल्स दुनिया के सबसे गतिशील खेल बाजारों में से एक है और नाइट राइडर्स ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। फेयरप्लेक्स के साथ साझेदारी में नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड की स्थापना हमारी फ्रेंचाइजी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हम अमेरिका में क्रिकेट को स्थापित करने और इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए फेयरप्लेक्स के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की आशा करते हैं।

फेयरप्लेक्स के अध्यक्ष और सीईओ वाल्टर एम। मार्केज ने कहा कि यह संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हम अपने परिसर में दुनिया के सबसे बड़े खेलों में से एक क्रिकेट को प्रस्तुत करने के लिए नाइट राइडर्स के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं।

एमएलसी के तीन सीजन में एलएकेआर अभी तक एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही है।

आईपीएल 2026: जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स के फील्डिंग कोच नियुक्त

एजेंसी (हि। स।)

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले अपनी कोचिंग टीम को और मजबूत किया है। फ्रेंचाइजी ने आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी जॉन मूनी को फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 'दिल्ली के डिफेंस में 'आयरिश स्टील' का तड़का। स्वागत है, जॉन मूनी। क्रिकबज के अनुसार मूनी, एंटोन रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में यह भूमिका निभाई थी। 44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें इयान बेल सहायक कोच, मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। मूनी ने

आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस दौरान वनडे में 963 रन और टी-20 में 231 रन बनाए। इस खिलाड़ी के नाम वनडे में 47 और टी20 में 10 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 में अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी। दिल्ली अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है। ऐसे में उसे अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है।

दिनेश कार्तिक के घर गूंजी किलकारी, पत्नी दीपिका ने दिया बेटी को जन्म

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्रि पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ है। पत्नी दीपिका पल्लीकल ने बेटी को जन्म दिया है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये खुशखबरी प्रशंसकों साथ साझा की है। इसमें कार्तिक ने अब अपनी नन्ही बेटी के नाम का भी खुलासा किया है। दिनेश कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टेक्स्ट इमेज शेयर किया, जिसमें लिखा था, हमारे दिल में आशीर्वाद और शब्दों से परे कृतज्ञता के साथ, हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी नन्ही बहन से मिलने के लिए उत्साहित हैं। राहा पल्लिकल कार्तिक, प्यार दीपिका और दिनेश। दीपिका पल्लीकल दिनेश कार्तिक की दूसरी पत्नी हैं। पहली पत्नी से तलाक से बाद साल 2015 में कार्तिक ने स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी रचाई थी। दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। कपल तीसरे बच्चे के माता-पिता बने हैं। दंपति के पहले से ही दो बेटे हैं, कबीर और जियान। अब परिवार में एक बेटी के आने से घर खुशियों से भर गया है। दिनेश कार्तिक के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी-20 मैच खेले।

विराट कोहली आईपीएल के लिए तैयार आरसीबी से जुड़कर शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी (हि। स।)

बेंगलुरू

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए तैयार हैं। वह अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ चुके हैं और प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। इस बीच कोहली का एक वीडियो सामने आया है, जिसने प्रसंशकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने कहा, "हर बार जब मैं ये जर्सी (आरसीबी) पहनता हूं, तो मैं पूरी तरह अपने आप को झोंक देता हूं। मैं एक और स्पेशल चेज के लिए तैयार हूं।

फ्रेंचाइजी ने वीडियो को शेयर करते हुए संदेश दिया कि कोहली अपने घर बेंगलुरु लौट आए हैं और एक और नई

कहानी लिखने के लिए तैयार हैं। आरसीबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, "वक्त गुजरा, सीजन बदले, लेकिन यह शहर? अब भी उसका है। यह सिंहासन? अब भी उसका है। 'एकमात्र सच्चे राजा' के लिए हमारा प्यार, हर गुजरते दिन के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। हमारे विराट कोहली वापस वहीं लौट रहे हैं, जहां के वे हैं- अपने घर, बेंगलुरु- एक नई कहानी लिखने के लिए। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इस सीजन का ओपनिंग मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी का लक्ष्य खिताब का बचाव करना और इतिहास दोहराना होगा। विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 पारियों में 54। 75 के औसत और 144। 71 के स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे, जिसमें आठ अर्धशतक शामिल थे। कोहली 267 आईपीएल मैचों में आठ शतक और 63 अर्धशतकों के साथ 8,661 रन बना चुके हैं।

जूनियर बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता में चैंपियन बनी केके इंटर कॉलेज की टीम

एजेंसी (हि। स।)

मुरादाबाद

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में गुरुवार को आयोजित जनपद स्तरीय जूनियर बालिका वास्केटबॉल प्रतियोगिता में केके इंटर कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में केके इंटर कॉलेज की टीम ने आर्यस एकेडमी को 27-19 से हराकर जीत दर्ज की। पूरे टूर्नामेंट में कौशल्या की टीम का दबदबा देखने को मिला। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला केके इंटर कॉलेज और मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के बीच खेला गया, जिसमें केके इंटर कॉलेज ने 8-0 से जीत हासिल की। दूसरे मुकाबले में आर्यस एकेडमी ने मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज को 18-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला के-के इंटर कॉलेज और आयेंस एकेडमी

के बीच खेला गया, जिसमें केके इंटर कालेज की टीम ने 27-19 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव अजय पाठक ने किया। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधान सहायक राम कृपाल, फिरोज खान, योगेंद्र गौतम, प्रदीप कुमार, अंकित अग्रवाल, सोनिया, सोनू कुमार आदि मौजूद रहे।

विश्व गौरैया दिवस: आंगन की चहक को बचाने की एक पुकार

ओ री चिरैया नन्ही सी चिड़िया अंगना में फिर आजा रे। । ।

मानव ने जैसे-जैसे विकास के नए आयाम स्थापित किए उसका यह विकास ब्रह्मांड के अन्य जीव-जंतुओं, पशु पक्षियों के लिए दुश्मन बन गया। स्थिति भी इतनी विकराल बन चुकी है अब ना जाने कितनी प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर है। हम सभी ने अपने घरों के आंगन में, पेड़ों पर एक छोटी सी चिड़िया को चहकते जरूर देखा होगा जो अब हमें दिखाई नहीं देती। और यकीनन अब अगर हम नहीं चेते तो हमारी आने वाली नस्लों को यह किताबों और इंटरनेट पर ही दिखाई देगी। ऐसी ही एक चिड़िया है गौरैया। आज विश्व गौरैया दिवस है। प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। नन्ही चिड़िया गौरैया दुनिया के कई देशों में पाई जाती है। हर साल ये दिवस विलुप्त की कगार पर आ गई गौरैया के प्रति लोगों की जागरुकता को बढ़ाने के लिए उसके संरक्षण के लिए मनाया जाता है।

गौरैया के विलुप्त होने के कारण

तेजी से बढ़ते प्रदूषण, बाज-चील, पतंगों से समेत अन्य कई कारणों से गौरैया की संख्या में बहुत कमी आई है। जिसकी वजह से अब नन्ही चिड़ियां का अस्तित्व खत्म होने की कगार है, जिसे हम सबको मिलकर बचाना है। गौरैया की लगातार घटती संख्या को लेकर एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के लिए इंसान ही जिम्मेदार है।

मोबाइल रेडिएशन से गौरैया को खतरा

गौरैया की घटती संख्या के पीछे जो कारण सामने आए हैं वो उनके रहवास की समस्या के साथ सबसे बड़ा कारण मोबाइल रेडिएशन हैं। शहरों में रहवास ना होने की वजह से गौरैया करंट या तीव्र ध्वनि की चपेट में आने से विलुप्त होती जा रही है। साथ ही मोबाइल रेडिएशन की वजह से मादा गौरैया की प्रजनन क्षमता भी खत्म हो जाती है।

कब हुई गौरैया दिवस की शुरूआत

साल 2010 में पहली बार 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया गया था। विश्व गौरैया दिवस, नेचर फॉरएवर सोसाइटी ऑफ इंडिया के साथ-साथ फ्रांस की इकोसेज एक्शन फाउंडेशन की शुरू की गई एक पहल है। सोसाइटी की शुरूआत फेमस पर्यावरण विद् मोहम्मद दिलावर ने की थी। उन्हें 2008 में टाइम मैगजीन ने हीरोज ऑफ एनवायरमेंट में शामिल किया गया था।

गौरैया के बारे में वैज्ञानिक जानकारी

छोटी चिड़िया गौरैया का वैज्ञानिक नाम पासर डोमेस्टिकस और सामान्य नाम हाउस स्पैरो है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है। लेकिन इसे वीवरपिंच का परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इस चिड़िया की ऊंचाई 16 सेंटीमीटर और विंगस्पैन 21 सेंटीमीटर होते हैं। वहीं एक गौरैया का वजन 25 से 40 ग्राम होता है।

ऐसे जीती है गौरैया

अपना जीवनयापन करने के लिए गौरैया अनाज और कीड़े खाती है। ये गौरैया शहरों की अपेक्षा गांवों में रहना ज्यादा पसंद है। शहर के प्रदूषण और शोर-शराबा गौरैया को रास नहीं आता है। खेती-किसानी में रसायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। आहार भी जहरीले हो चले हैं। केमिलयुक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिससे गौरैयों भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। उर्वरकों के अधिक प्रयोग के कारण मिट्टी में पैदा होने वाले कीड़े-मकोड़े समाप्त हो चले हैं जिससे गौरैयों को भोजन नहीं मिल पाता है। गौरैया दिवस के अवसर पर नन्ही चिड़िया गौरैया के संरक्षण के लिए काम कर रहे लोगों को गौरैया पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

घट रही है गौरैया की संख्या

गौरैया की संख्या लगातार कम होती जा रही है। एस स्टडी के अनुसार इसकी संख्या में 60 फीसदी तक कमी आई है। विश्व गौरैया दिवस मनाने का एक उद्देशय यह भी है कि हमारे युवा और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को गौरैया से प्रेम करने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्डसह्य ने इस चुलबुली और चंचल पक्षी को ह्यरेड लिस्टह्य में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। विश्व गौरैया दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। आइए इस दिवस पर हम सभी विलुप्त हो रहे प्रकृति के इस अनमोल उपहार को संरक्षित करने का संकल्प लें।

आज दुनिया भर में मनाया जाता है इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस

जिंदगी में भला कौन खुश रहना नहीं चाहता, लेकिन आज कल की भागदौड़ भरी लाइफ सबके लिए यह संभव नहीं हो पाता। इसलिए पहले खुद को फिर दूसरों को खुश करना एक सामूहिक जिम्मेदारी की तरह होती जा रही है। तनाव और दबाव से भरे मौजूदा दौर में अगर आप खुश हैं और इसे जानते हैं तो 20 मार्च को इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस यानी अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस को जमकर सेलिब्रेट करें। इन दिनों गुस्सा, चिढ़, उदासी और गुबार जैसे इमोशन लोगों के जीने के तरीके में जबरदस्ती शामिल हो गए हैं। इन भावनाओं को बाहर करने, खुश रहने और जिंदगी में अच्छी चीजों की उम्मीद करने के लिए इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस बहुत बड़ा मौका हो सकता है। यूनाइटेड नेशंस दुनिया भर में हर साल 20 मार्च को इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस का आयोजन करता है। यह खास दिन हमें याद दिलाता है कि खुश रहना एक मानवाधिकार है। यह दिन आपको खुश होने और जश्न मनाने का मौका देता है। आप इस दिन पहले से ही खुश नहीं हैं, तो यह इवेंट आपके मूड को बदल सकता है। यूनाइटेड नेशंस और उसके सहयोगी देशों के लोगों से बने गैर-लाभकारी समूह एक्शन फॉर हैप्पीनेस द्वारा किए गए कामों की सराहना के लिए इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस मनाया जाता है। इस अभियान का अंतिम लक्ष्य जागरूकता फैलाना है कि तरक्की का मतलब केवल निचली पंक्ति को बढ़ाना और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि लोगों का कल्याण और उनकी खुशी भी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साल 2011 में एक प्रस्ताव को मंजूर किया, जिसमें खुशी को आर्थिक अवसर के बराबर प्राथमिकता देने को मौलिक मानव लक्ष्य बनाया गया। दो साल बाद, 2013 में यूएन के सभी 193 सदस्य देशों ने दुनिया का पहला इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस मनाया और तब से यह लगातार हर साल मनाया जा रहा है। तो बस इस 20 मार्च को कुछ मिनटों का समय निकालकर इस पर विचार करें कि हकीकत में आपको खुशी कब और कैसे मिलती है? साथ ही आप अपनी हैप्पीनेस को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं।

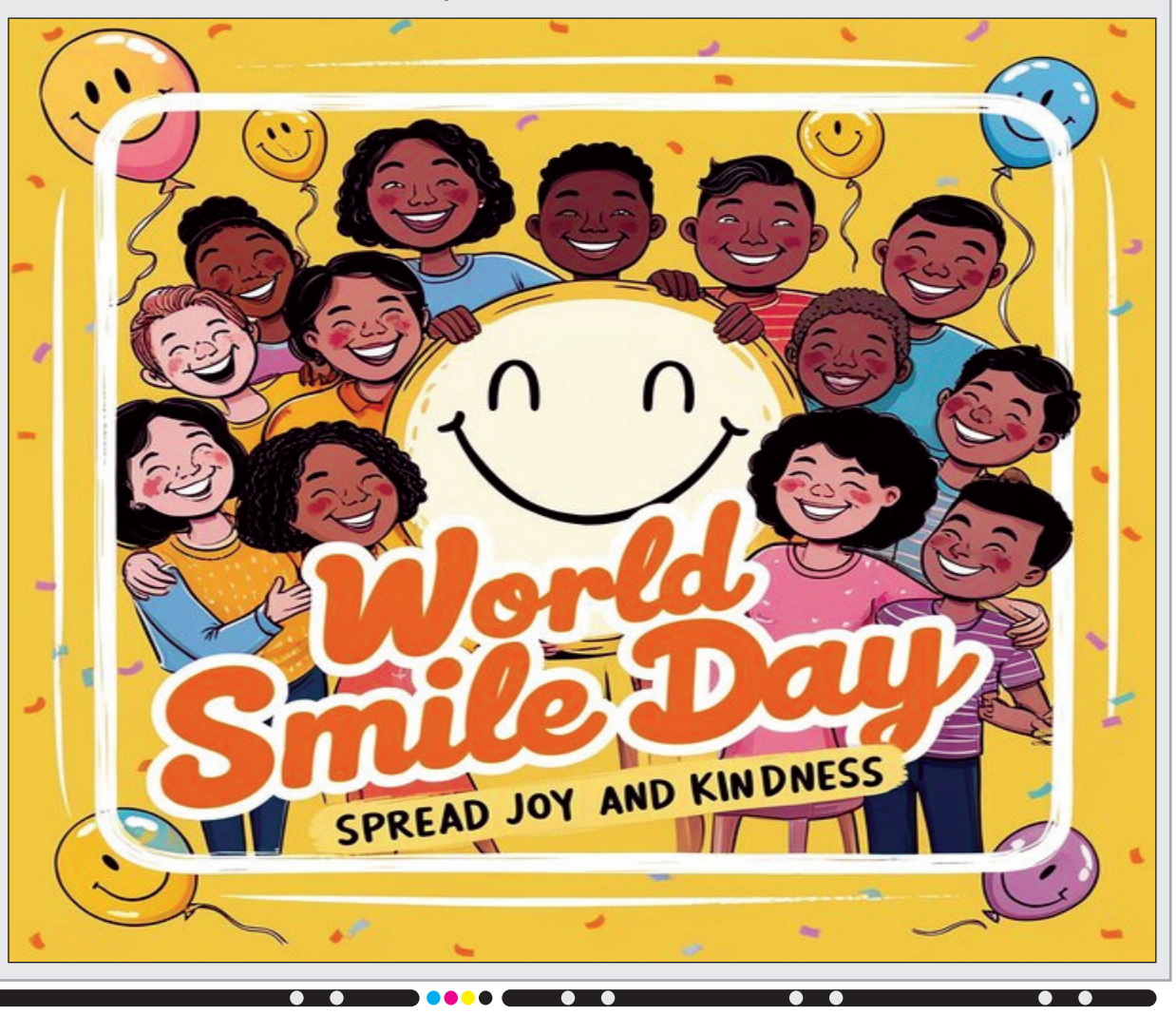

चंडीगढ़ की नई आबकारी नीति को मिली मंजूरी ठेकों की नीलामी से मिले 496.81 करोड़ रुपये

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया, मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद तथा सचिव (आबकारी एवं कराधान) यू.टी. चंडीगढ़ श्री दीप्रवा लकड़ा ने विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत नीति वर्ष 2026-27 (01.04.2026 से 31.03.2027) के लिए आबकारी नीति को स्वीकृति प्रदान की है। विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों पर चर्चा की गई तथा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद आबकारी एवं कराधान विभाग ने अधिकांश सुझावों को स्वीकार किया, जैसे बार द्वारा रिटेल शराब दुकानों से शराब की खरीद, एक ही इकाई के अंतर्गत इंटर-वेंड स्टॉक ट्रांसफर तथा कोटा का युक्तिकरण।

नई आबकारी नीति का उद्देश्य पारदर्शिता लाना तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से राजस्व में वृद्धि करना है। इस दिशा में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया अपनाई गई तथा सभी हितधारकों को डिजिटल सिग्नेचर और एनआईसी द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के उपयोग के लिए व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। सभी बोलीदाताओं ने अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कीं और किसी भी मैनुअल बोली को स्वीकार नहीं किया गया। नीति में कार्टेलाइजेशन और एकाधिकार को रोकने के लिए एक व्यक्ति/इकाई/परिवार/कंपनी/फर्म को अधिकतम 10 लाइसेंसिंग इकाइयों तक ही आवंटन सीमित किया गया है। इससे सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के साथ-साथ राज्य के राजस्व में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस आबकारी नीति की प्रमुख विशेषताओं में डिपार्टमेंटल स्टोर्स में शराब लाइसेंस की पुनः शुरूआत, बार लाइसेंसधारियों द्वारा निकटवर्ती दो दुकानों से शराब की खरीद, रिटेल वेंड्स के लिए सुरक्षा राशि में वृद्धि तथा शराब के परिवहन के लिए जीपीएस प्रणाली को अनिवार्य करना शामिल है। नई नीति के लागू होने के बाद 19.03.2026 को होटल माउंटव्यू, सेक्टर-10, चंडीगढ़ में आयोजित ई-टेंडरों के प्रथम उद्घाटन में नीति के उद्देश्यों की सफल प्राप्ति हुई। सचिव (आबकारी एवं कराधान) श्री दीप्रवा लकड़ा, आईएएस तथा आबकारी एवं कराधान आयुक्त श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस के मार्गदर्शन में विभाग को कुल 97 लाइसेंसिंग इकाइयों में से 84 इकाइयों के विरुद्ध 195 ई-टेंडर/बोलियां प्राप्त हुईं। हालांकि एलयू-77 के लिए एकमात्र बोलीदाता तकनीकी रूप से अयोग्य पाया गया। 83 लाइसेंसिंग इकाइयों का आरक्षित मूल्य 385.24 करोड़ रुपये निर्धारित था। भारी प्रतिसाद प्राप्त करते हुए विभाग ने लाइसेंस फीस के रूप में कुल 496.81 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो आरक्षित मूल्य से लगभग 29 प्रतिशत अधिक है। इसके अतिरिक्त 3.90 करोड़ रुपये की राशि भागीदारी शुल्क के रूप में प्राप्त हुई।

ग्राम पलसोरा स्थित शराब वेंड के लिए 11.41 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के मुकाबले 16.71 करोड़ रुपये की सर्वाधिक बोली प्राप्त हुई। धनास वेंड के लिए 9.62 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के विरुद्ध 12.27 करोड़ रुपये की दूसरी सर्वाधिक बोली प्राप्त हुई, जबकि सेक्टर-61 स्थित वेंड के लिए 8.21 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य के मुकाबले 11.52 करोड़ रुपये की तीसरी सर्वाधिक बोली प्राप्त हुई। शेष 14 लाइसेंसिंग इकाइयों के लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बोलीदाताओं से मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के मद्देनजर विभाग को विश्वास है कि शेष वेंड्स का आवंटन सफलतापूर्वक पूर्ण किया जाएगा तथा निर्धारित आरक्षित मूल्य से अधिक राजस्व प्राप्त होने की संभावना है, जिससे राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

सीएम सैनी ने धर्मपत्नी सहित पहले नवरात्र पर किए माता मनसा देवी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी के साथ चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पंचकूला पहुंचकर माता मनसा देवी मंदिर में माथा टेककर पूजा-अर्चना की और महामाई का आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में पहुंचकर मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ में भाग लिया और आहुति अर्पित की। इससे पूर्व उन्होंने मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को माता मनसा देवी का चित्र एवं हिंदू नववर्ष का कैलेंडर सम्मान स्वरूप भेंट किया। मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने माता मनसा देवी के चरणों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। उन्होंने माता से प्रार्थना की कि हरियाणा प्रदेश खुशहाल रहे और निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र हमारी समृद्ध संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक हैं। माता मनसा देवी में श्रद्धालुओं की असीम आस्था है और नवरात्रि के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं, जिन्हें माता पूर्ण करती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड द्वारा माता मनसा देवी मंदिर, काली माता मंदिर, कालका और चंडी माता मंदिर में अनेक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। माता मनसा देवी मंदिर परिसर में संचालित संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का निर्माण कार्य जारी है। इसके अतिरिक्त मंदिर को भव्य रूप देने के लिए एक नए कॉरिडोर का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है, जिसमें लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर 11 का 67वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-11, चंडीगढ़ का 67वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह बड़े ही शैक्षणिक गौरव एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया, जिसमें 1500 छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। इस दीक्षांत समारोह की शोभा देश के प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् पद्मश्री प्रोफेसर डॉ. रघुवेंद्र तनवर ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान तथा भारत के अग्रणी समकालीन इतिहासकारों में से एक, प्रोफेसर तनवर वर्तमान में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के राष्ट्रीय फेलो तथा भारतीय इतिहास कांग्रेस के अध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है। वे अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसायटी तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों से भी जुड़े रहे हैं।

अपने दीक्षांत संबोधन में प्रोफेसर तनवर ने छात्राओं को सत्यनिष्ठा के साथ ज्ञान अर्जित करने, राष्ट्रीय मूल्यों को अपनाने तथा समाज के प्रति सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की विशिष्ट पूर्व छात्रा प्रोफेसर डॉ. रीचा तनवर की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जो जेंडर स्टडीज की प्रतिष्ठित विदुषी एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की पूर्व निदेशक हैं। प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. अनीता कौशल ने संस्थान की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। वर्ष 1956 में स्थापित तथा पंजाब विश्वविद्यालय से संबद्ध यह महाविद्यालय महिला उच्च शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है। वर्ष 2025-26 में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित कीं।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने आज जिला लोक संपर्क एवं कष्टनिवारण समिति की बैठक में अवैध खनन पर संज्ञान लेते हुए जिला खनन अधिकारी को अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए। सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्टनिवारण समिति की बैठक में श्री विपुल गोयल ने बैठक में विभिन्न विषयों से संबंधित 8 शिकायतें सुनी, जिनमें से कुछ का समाधान मौके पर ही किया, शेष शिकायतों के शीघ्र निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

श्री विपुल गोयल ने पुलिस आयुक्त को विशेष अभियान चलाकर शहर की सभी मीट की दुकानों के लाईसैंस चैक करने और बिना लाईसैंस चल रही मीट की दुकानों को तुंरत बंद करवाने के निर्देश दिए। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने गांव माजरी निवासियों की रात में अवैध निर्माण करने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त को पुलिस को साथ लेकर शाम तक अवैध निर्माण को हटवाने के निर्देश दिए। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने रतपुर कालोनी पिंजौर की राजबाला की बरसात के कारण बिजली के खंभे गिरने व खभों को मजबूती से लगवाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए कार्यकारी अभियंता उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम को खंभे को जल्द से जल्द कंक्रीट डालकर पक्का व फिक्स करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को किसी तरफ की कोई परेशानी न हो।

राजस्व मंत्री ने गांव बुढनपुर निवासियों की अवैध मंडी लगने के कारण रास्ता बंद होने की शिकायत व रास्ते को खुलवाने की मांग पर नगर निगम के संबंधित अधिकारी को रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा पुलिस को मीट, मच्छी वालों के लाईसेंस चैक करने के भी निर्देश दिए। श्री विपुल गोयल ने गांव कंडियाला ब्लॉक पिंजौर के सरंपच की टयूबवैल लगवाने की मांग पर जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा से दूरभाष के माध्यम से बातचीत कर समस्या का समाधान किया। उन्होने विभाग के कार्यकारी अभियंता को टयूबवैल लगवाने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त-समाचार

राज्यपाल ने माता मनसा देवी मंदिर में टेका माथा

पंचकूला। प्रथम नवरात्रि के पावन अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता कटारिया के साथ पंचकूला स्थित माता मनसा देवी मंदिर में सह परिवार पहुँचे। इस दौरान उन्होंने माँ के दिव्य चरणों में श्रद्धापूर्वक शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए विश्व में शांति, सद्भाव और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि माँ भगवती सभी को सकारात्मक ऊर्जा, सद्बुद्धि और सेवा भाव प्रदान करें, ताकि हम समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपना 330वां रक्तदान शिविर आयोजित किया

चंडीगढ़। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग और थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट पीजीआई चंडीगढ़ ने 19.03.2026 को लेजिस सोशल के रोटारैक्ट क्लब के सहयोग से अपना 330वां रक्तदान शिविर आयोजित किया। इसका उद्देश्य थैलेसीमिया के मरीजों और अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना था। इस शिविर में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को उनके इस नेक योगदान के सम्मान में प्रमाण पत्र, बैज और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए और एक विशेष 'थैलेसीमिया जागरूकता डेस्क' भी स्थापित किया, ताकि प्रतिभागियों को इस बीमारी और नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके। इस अवसर पर, पंजाब विश्वविद्यालय के 'कॉलेज ऑफ ओरल हेल्थ साइंसेज' के इंटर्न डॉक्टरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और थैलेसीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए सदस्य सचिव श्री राजिंदर कालरा से बातचीत की। नियमित स्वैच्छिक रक्तदान की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, और जनता से अपील की गई कि वे आगे आएं और समय पर रक्त सहायता पर निर्भर लोगों की जान बचाने में मदद करें। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रो. (डॉ.) आर.आर. शर्मा और ट्रस्ट के सदस्य सचिव श्री राजिंदर कालरा ने सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस शिविर के सुचारू और सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग और टीम के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की।

माता मनसा देवी परिसर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का 9 दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू

पंचकूला। आयुष विभाग हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) विजेंद्र हुड्डा ने कहा कि आयुर्वेद निरोग जीवन में असरकारक है। योग-ध्यान और आहार-व्यवहार के जरिये व्यक्ति तनाव, अनिद्रा और अवसाद से राहत पा सकता है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला आयुर्वेद उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने गुरुवार को चैत्र नवरात्र के उपलक्ष्य में माता मनसा देवी मंदिर परिसर में शुरू हुए एनआईए के स्वास्थ्य जांच शिविर का विधिवत रूप से रीबन काटकर और दीप प्रज्वलित करके शुभारंभ किया। स्वास्थ्य जांच शिविर में पहुंचने पर उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) डॉ. गौरव गर्ग ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रोफेसर प्रह्लाद रघु ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। आयुष विभाग के अतिरिक्त निदेशक विजेंद्र हुड्डा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयुर्वेद पद्धतियों से किए जा रहे उपचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद उपचार रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक विकृतियों से मुक्ति दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयुर्वेद में जीवन जीने की शैली का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिसमें ऋतु परिवर्तन के अनुसार आहार-व्यवहार के साथ पूरी दिनचर्या बताई गई है। आयुष विभाग हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक विजेंद्र हुड्डा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा भी किया और आयुर्वेद उपचार पद्धतियों को जाना। डॉ. गौरव गर्ग ने बताया कि संस्थान की 12 ओपीडी में हर रोज 400 से 500 मरीज परामर्श और इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिनका विशेषज्ञ चिकित्सकों के जरिये इलाज किया जाता है।

रिश्वत लेते दो आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरुग्राम की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को रिश्वत मांगने व लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरूण कुमार, तथा गिराज के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एसीबी गुरुग्राम को दी गई शिकायत में बताया कि उसके पति के निधन के उपरांत उसने गांव चाहलका स्थित सीएससी सेंटर के माध्यम से हरियाणा सरकार की दीन दयाल परिवार सुरक्षा योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज सरकारी पोर्टल पर अपलोड करवाए थे। आरोप है कि उक्त योजना के तहत 5 लाख रुपये की सहायता राशि जारी करवाने के एवज में आरोपियों ने पहले 1 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार के नेतृत्व में सामुदायिक भागीदारी के साथ 8वें और 9वें दिन जारी रहा प्रातःकालीन निरीक्षण अभियान

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त, श्री विनय कुमार के नेतृत्व में चल रहा प्रातः कालीन निरीक्षण अभियान 8वें और 9वें दिन भी जारी रहा। इस पहल का उद्देश्य पूरे शहर में स्वच्छता मानकों को मजबूत करना और नागरिक बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना है। इस अभियान में सामुदायिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 8वें दिन, सेक्टर-16 में निरीक्षण का मुख्य फोकस घर-घर जाकर सफाई, सड़क की नालियों की सफाई, पार्कों के रखरखाव और कचरा जमा होने वाली संवेदनशील जगहों पर था। सेक्टर की पूरी सफाई सुनिश्चित की गई, और उन इलाकों को जो अभी तक कवर नहीं हुए थे, सबसे नजदीकी प्राइमरी डोर-टू-डोर कलेक्शन सिस्टम से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

इस अभियान में आरडब्लूए, मार्केट एसोसिएशन और निवासियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। मेशान फाउंडेशन और आसमान फाउंडेशन के बच्चों ने स्वच्छता और कचरे के सही प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए आकर्षक प्रस्तुति दी। 9वें दिन, आयुक्त ने सेक्टर-17 का निरीक्षण किया, जिसमें घर-घर जाकर कचरा संग्रह, सड़क की नालियों की सफाई, पार्कों के रखरखाव और कचरा जमा होने वाली संवेदनशील जगहों की समीक्षा शामिल थी। एक सक्रिय कदम के रूप में, आयुक्त ने अतिरिक्त इलाकों का निरीक्षण करने के लिए पहले से जारी रूट चार्ट से हटकर दौरा किया। कुछ जगहों पर स्वच्छता का स्तर उम्मीद के अनुसार नहीं पाया गया, और मौके पर ही सुधार के लिए तत्काल निर्देश जारी किए गए।

इसके अलावा, उन्होंने नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई निर्देश दिए, जिनमें फुटपाथों पर टूटी पेवर ब्लॉक्स का सर्वेक्षण और समयबद्ध मरम्मत, पार्कों में चल रहे मरम्मत और रखरखाव के कार्यों का समय पर पूरा करना और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना, तथा पार्कों में झूलों और खेल उपकरणों की मरम्मत शामिल है, ताकि उनका उपयोग सुरक्षित रूप से किया जा सके। निरीक्षण के दौरान आरडब्लूए सदस्यों और निवासियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जो जनता की बढ़ती भागीदारी को दशार्ता है। नागरिक अब कचरा फैलाने और कचरे के गलत निपटान को रोककर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं; यह श्री विनय कुमार के नेतृत्व में नगर निगम में जनता के भरोसे का सकारात्मक संकेत है। जागरूकता प्रयासों को आसमान फाउंडेशन के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य प्रस्तुति ने और अधिक बल दिया, जिसमें प्लास्टिक के उपयोग से बचने और स्वच्छता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

आयुक्त ने यह दोहराया कि एक स्वच्छ, हरा-भरा और बेहतर प्रबंधित पंचकूला सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी, समय पर कार्रवाई और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नगराधीश ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगराधीश जागृति ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज गांव अध्यो के राजेंद्र की बारिश के कारण घर धसने व डंगा लगवाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए वन विभाग के अधिकारी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। नगराधीश ने हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में 3 जिलावासियों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब के समाधान करने के निर्देश दिए। नगराधीश ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर जिला प्रशासन की सुविधाएं व सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके।

सीटीएम ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग सरकारी कार्यालयों में चक्कर न काटने पडे। इसी सोच के अनुरूप मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार हर कार्यदिवस के दिन सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है जंहा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। उन्होने कहा कि समय समय पर मुख्यमंत्री स्वयं वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर लोगों से बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं पर की गई कारवाई की फीडबैक लेते हैं।

इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, सहित जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, वन विभाग, आयुष, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

200 से ज्यादा हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया; मेडिकल छात्रों ने पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई

पीजीआई चंडीगढ़ ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में दुर्लभ बीमारियों पर वर्कशॉप आयोजित की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

दुर्लभ बीमारियों से निपटने की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अमृतसर के पीडियाट्रिक्स विभाग के सहयोग से, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में, 18 मार्च, 2026 को दुर्लभ बीमारियों पर एक व्यापक, एक-दिवसीय वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित की। पीजीआई चंडीगढ़ को देश में दुर्लभ बीमारियों के निदान और उपचार के लिए, दुर्लभ बीमारियों पर राष्ट्रीय नीति 2021 के तहत 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में नामित किया गया है। इस नीतिगत ढांचे के तहत, पीजीआई ने पूरे उत्तरी भारत में दुर्लभ बीमारियों को पहचानने और उनका प्रबंधन करने की क्षमता विकसित करने के लिए क्लिनिकल देखभाल, दवाओं की खरीद में सहायता और आउटरीच के क्षेत्रों में लगातार प्रयास किए हैं। पीजीआई चंडीगढ़ ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर के सहयोग से यह वर्कशॉप आयोजित की। इस वर्कशॉप में आस-पास के संस्थानों से आए 200 से ज्यादा फैकल्टी सदस्यों, पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट्स, मेडिकल अधिकारियों और फ्रंटलाइन हेल्थकेयर प्रैक्टिशनर्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस तीन प्रमुख उद्देश्यों पर था: क्लिनिकल सेटिंग्स में दुर्लभ बीमारियों की शुरूआती पहचान को बेहतर बनाना; साक्ष्य-आधारित एल्गोरिदम के माध्यम से निदान की क्षमता को मजबूत करना; और प्रतिभागियों को पीजीआई 2021 के तहत उपलब्ध राष्ट्रीय नीतियों, वित्तीय सहायता तंत्रों और रेफरल मार्गों से परिचित कराना। पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने का काम पीजीआई चंडीगढ़ की दुर्लभ बीमारियों पर बनी समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। प्रो. (डॉ.) विवेक लाल, निदेशक, पीजीआई चंडीगढ़ ने कहा कि दुर्लभ बीमारियाँ भले ही अलग-अलग रूप में कम पाई जाती हों, लेकिन सामूहिक रूप से वे लाखों भारतीयों और उनके परिवारों को प्रभावित करती हैं। पीजीआई में, हम दुर्लभ बीमारियों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं – नैदानिक उत्कृष्टता, नीतिगत भागीदारी और, सबसे बढ़कर, शिक्षा के माध्यम से। प्रमुख संस्थानों में इस तरह की कार्यशालाएँ आयोजित करके, हम संवेदनशील चिकित्सकों का एक मजबूत नेटवर्क बना रहे हैं, जो उन बीमारियों की पहचान करने में पहली पंक्ति के रूप में काम कर सकें, जिनका अक्सर वर्षों तक निदान नहीं हो पाता। मुझे पोस्टर प्रतियोगिता में मेडिकल छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखकर विशेष रूप से खुशी हुई – वे हमारे भविष्य में सबसे बड़ा निवेश हैं, जहाँ दुर्लभ बीमारी के हर मरीज को समय पर निदान और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल मिल सके। कार्यक्रम की शुरूआत ऋटु अमृतसर के बाल रोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संदीप अग्रवाल के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर निदान में आने वाली कमियों को दूर करने के लिए बीमारियों की शुरूआती पहचान की तात्कालिकता और तृतीयक-संस्थानों की साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। पीजीआई चंडीगढ़ के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों ने वैज्ञानिक सत्रों का संचालन किया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की डॉ. बबीता ने दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2021 का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसमें वित्तीय सहायता का प्रावधान शामिल था, जिसके तहत प्रति मरीज 50 लाख रुपये तक की सहायता दी जा सकती है। दिन का एक प्रमुख आकर्षण दुर्लभ रोगों पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता थी, जिसमें स्नातक चिकित्सा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर और प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों से लेकर दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल और मेटाबोलिक सिंड्रोम तक, दुर्लभ स्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए आकर्षक और वैज्ञानिक रूप से सटीक पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता अकादमिक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच होने के साथ जागरूकता का एक सशक्त साधन भी साबित हुई, जिसने मानक पाठ्यक्रम में अक्सर उपेक्षित रहने वाली स्थितियों पर साथियों के बीच चर्चा को प्रोत्साहित किया। फैकल्टी जजों ने सराहना की।